

शास्त्रीय कुंडली अहवाल संच

नमुना अहवाल

दिनांक आणि वेळ	1990-10-18T14:30:00
वेळ क्षेत्र	Asia/Kolkata
अक्षांश	28.6139
रेखांश	77.209
बंडल	Large
तयार	2026-11-08
भाषा	mr

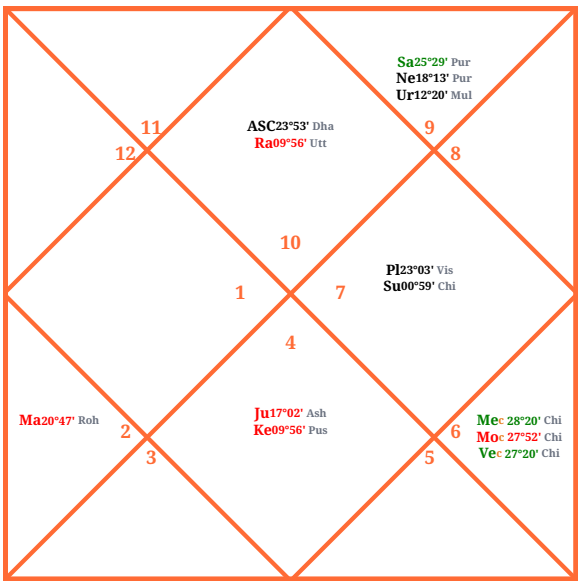
स्वभाव

शास्त्रीय ग्रंथाधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न आणि रुद्राक्ष यांसंबंधीचे मजकूर या कुंडलीसाठी शास्त्रीय परंपरेतून उद्धृत केले आहेत. त्यातील आयुष्य, आजार किंवा उपचार यांविषयीची विधाने वैद्यकीय सल्ला नाहीत आणि आयुर्मान किंवा आरोग्याची भविष्यवाणीही नाहीत.

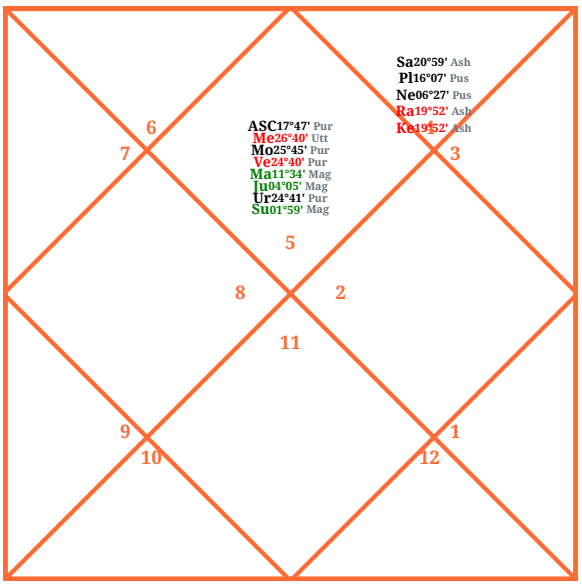
अनुक्रमणिका

कुंडल्या 3
जन्म तपशील 6
ग्रह 8
मैत्री 9
विंशोत्तरी दशा 10
भावसंधी 14
KP ग्रह 14
KP भावसंधी 15
मांगलिक 16
कालसर्प 17
साडेसाती 17
अष्टकवर्ग 18
योगिनी दशा 20
चर दशा 29
ग्रह अहवाल 35
अनुकूल मुद्दे 37
लग्न वाचन 38
रत्ने 39
रुद्राक्ष 43
योग 49
ग्रह फळ 58

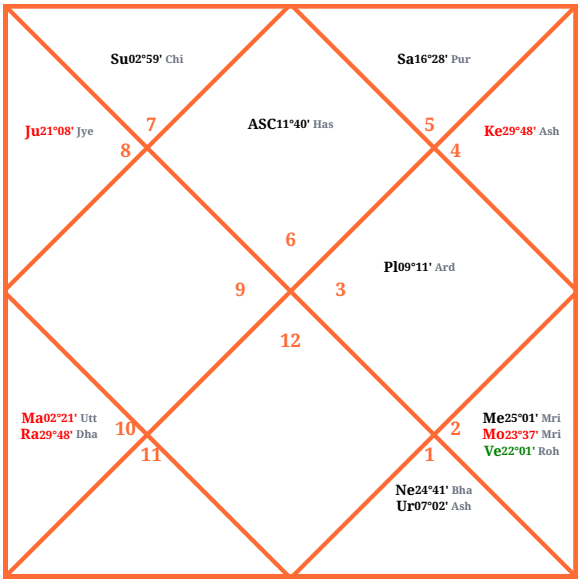
कुंडल्या



जन्म कुंडली (D1)



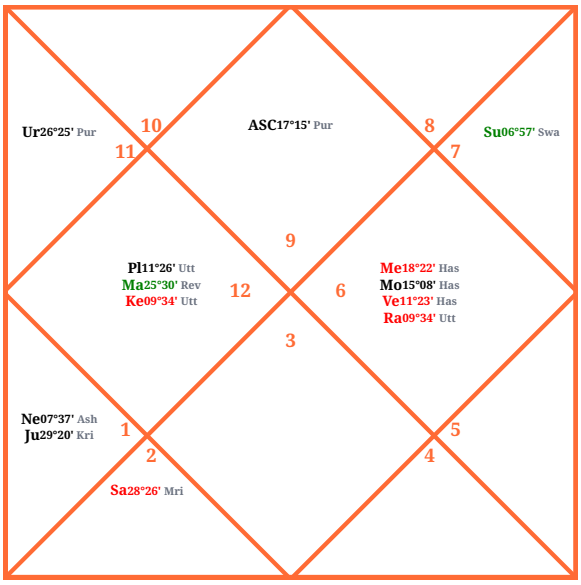
होरा (D2)



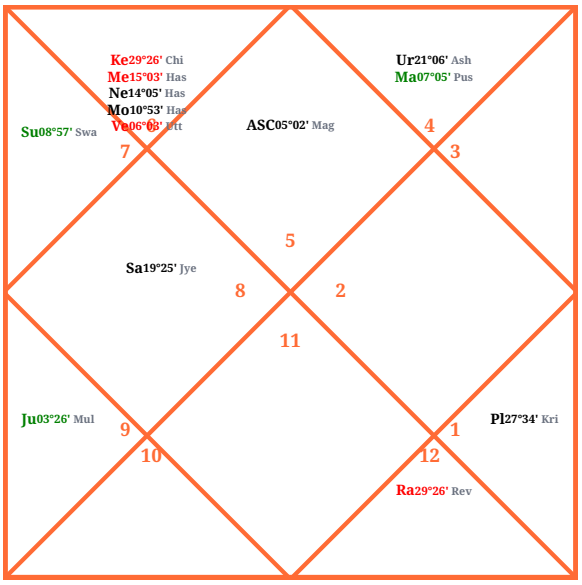
द्रेष्काण (D3)



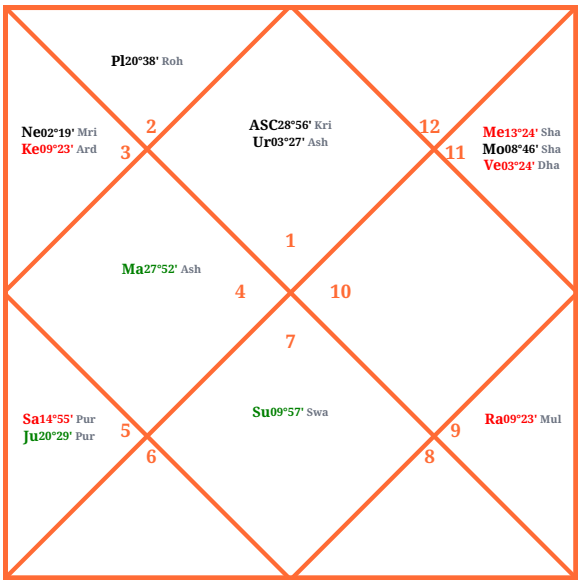
चतुर्थांश (D4)



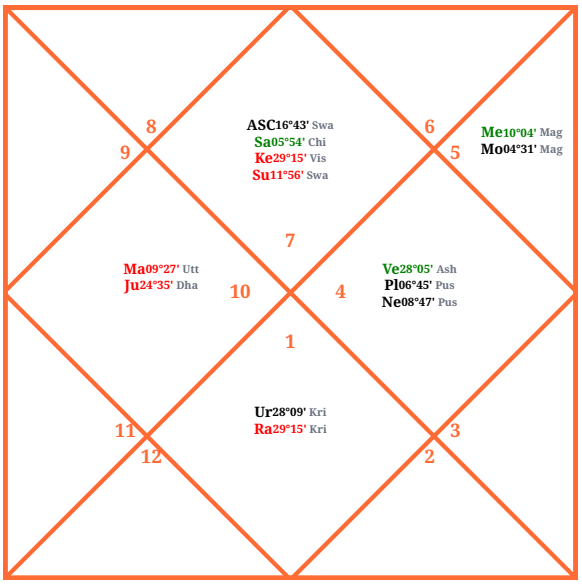
सप्तमांश (D7)



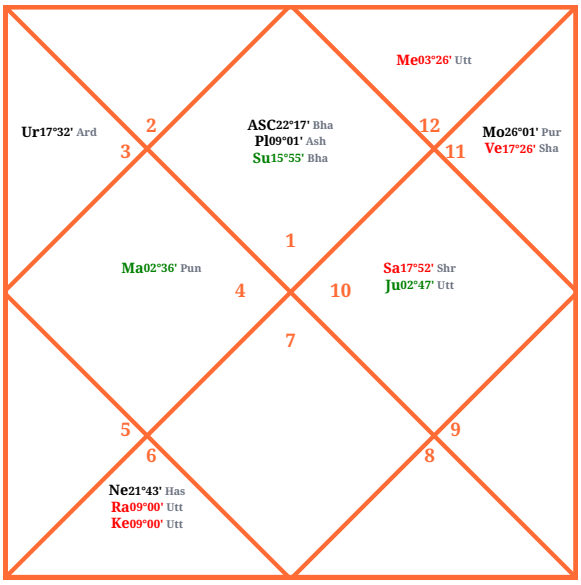
नवमांश (D9)



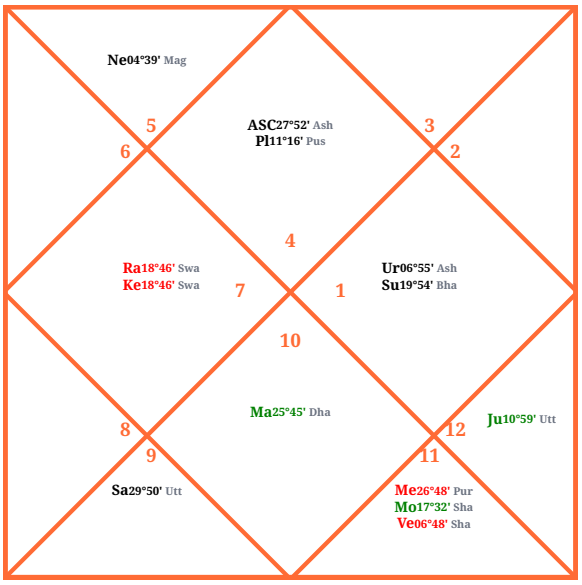
दशमांश (D10)



द्वादशांश (D12)



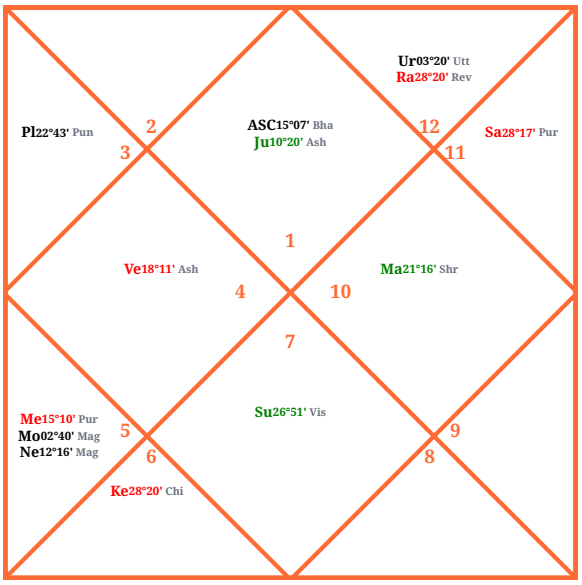
षोडशांश (D16)



विंशांश (D20)



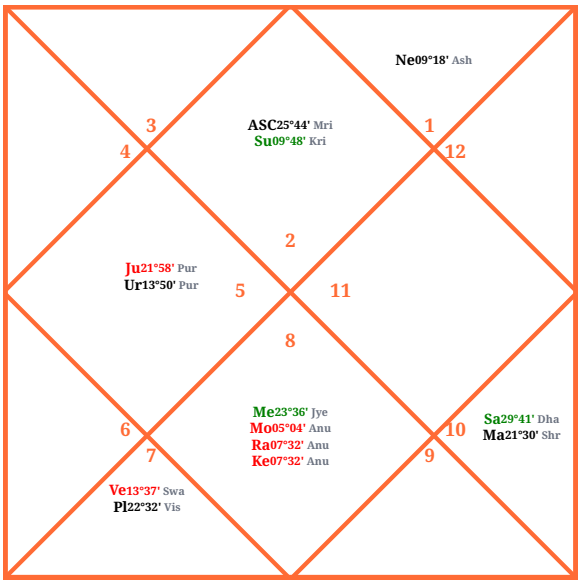
चतुर्विंशांश (D24)



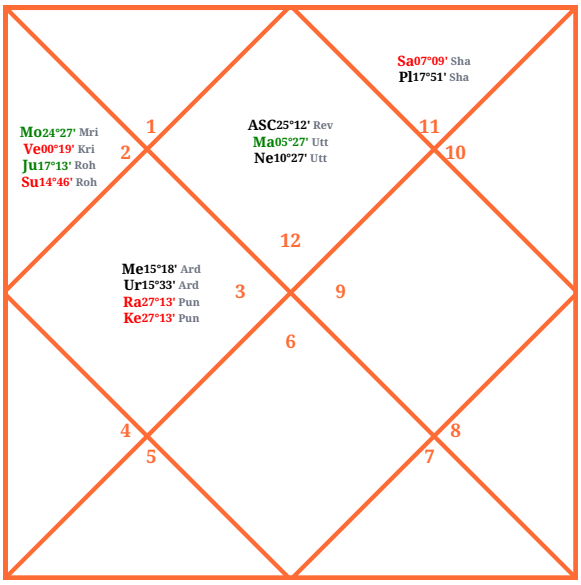
सप्तविंशांश (D27)



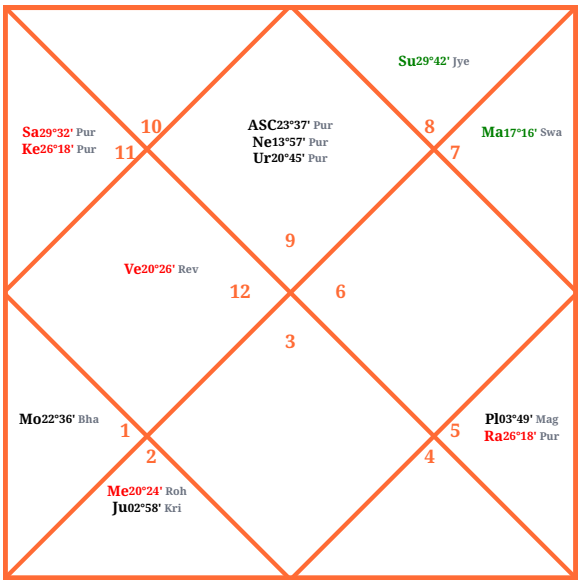
त्रिंशांश (D30)



खवेदांश (D40)



अक्षवेदांश (D45)



षष्ट्यंश (D60)

बंडल	Large

जन्म तपशील

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

लग्न

रास	मकर
राशी स्वामी	शनी

नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1

चंद्र

रास	कन्या
राशी स्वामी	बुध
नक्षत्र	चित्रा
नक्षत्राचा स्वामी	मंगळ
पद	2

सूर्य रास · निरयन	तूळ
सूर्य रास · सायन	तूळ

अवकहडा

वर्ण	वैश्य
वश्य	Manava
योनी	वाघ
गण	राक्षस
नाडी	मध्य
राशिस्वामी	बुध
पाया	Silver
तत्त्व	Prithvi
तत्व	पृथ्वी
युंजा	अंत्य
वर्ग	Mouse
हंसक	Prithvi
नामाक्षर	Po

जन्मवेळचे पंचांग · तिथी	अमावास्या
जन्मवेळचे पंचांग · योग	वैधृती
जन्मवेळचे पंचांग · करण	Naga

सूर्योदयाचे पंचांग

तिथी	अमावास्या
पक्ष	Krishna
नक्षत्र	चित्रा
योग	वैधृती
करण	Chatushpada

अंग समाप्ती वेळा

तिथी	21:06
नक्षत्र	07:40
योग	16:31
करण	21:06

सूर्योदय	06:23:52
सूर्यास्त	17:49:12

ग्रह

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
नोड	True
भाव पद्धती	Whole sign

लग्न

रास	मकर
रास क्रमांक	10
राशी स्वामी	शनी
अंश	23.8935
अंश DMS	23-53-37
रेखांश	293.8935
नक्षत्र	धनिष्ठा
नक्षत्र क्रमांक	23
नक्षत्राचा स्वामी	मंगळ
पद	1

ग्रह

नाव	रास	रास क्रमांक	राशी स्वामी	अंश	अंश DMS	रेखांश	नक्षत्र
सूर्य	तूळ	7	शुक्र	0.9951	00-59-42	180.9951	चित्रा
चंद्र	कन्या	6	बुध	27.8766	27-52-36	177.8766	चित्रा
मंगळ	वृषभ	2	शुक्र	20.7877	20-47-16	50.7877	रोहिणी
बुध	कन्या	6	बुध	28.34	28-20-24	178.34	चित्रा
गुरु	कर्क	4	चंद्र	17.0493	17-02-58	107.0493	आश्लेषा
शुक्र	कन्या	6	बुध	27.3406	27-20-26	177.3406	चित्रा
शनी	धनु	9	गुरु	25.4923	25-29-32	265.4923	पूर्वाषाढा
राहू	मकर	10	शनी	9.9384	09-56-18	279.9384	उत्तराषाढा
केतू	कर्क	4	चंद्र	9.9384	09-56-18	99.9384	पुष्य
हर्षल	धनु	9	गुरु	12.3459	12-20-45	252.3459	मूळ
नेपच्यून	धनु	9	गुरु	18.2324	18-13-57	258.2324	पूर्वाषाढा
प्लूटो	तूळ	7	शुक्र	23.0635	23-03-49	203.0635	विशाखा

नाव	नक्षत्र क्रमांक	नक्षत्राचा स्वामी	पद	भाव	गती	वक्री	अस्तंगत
सूर्य	14	मंगळ	3	10	0.993145	नाही	नाही
चंद्र	14	मंगळ	2	9	12.335806	नाही	हो
मंगळ	4	चंद्र	4	5	0.035376	नाही	नाही
बुध	14	मंगळ	2	9	1.710469	नाही	हो
गुरु	9	बुध	1	7	0.12405	नाही	नाही

नाव	नक्षत्र क्रमांक	नक्षत्राचा स्वामी	पद	भाव	गती	वक्री	अस्तंगत
शुक्र	14	मंगळ	2	9	1.25186	नाही	हो
शनी	20	शुक्र	4	12	0.040927	नाही	नाही
राहू	21	सूर्य	4	1	-0.226596	हो	नाही
केतू	8	शनी	2	7	-0.226596	हो	नाही
हर्षल	19	केतू	4	12	0.027975	नाही	नाही
नेपच्यून	20	शुक्र	2	12	0.013483	नाही	नाही
प्लूटो	16	गुरु	1	10	0.03801	नाही	नाही

मैत्री

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

संबंध

	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनी
सूर्य	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: सम
चंद्र		नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: मित्र
मंगळ	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू
बुध	नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू		नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: मित्र
गुरु	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू
शुक्र	नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: मित्र		नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate
शनी	नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रू; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: सम; तात्पुरता: शत्रू; संयुक्त: शत्रू	नैसर्गिक: मित्र; तात्पुरता: मित्र; संयुक्त: Intimate	

चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनी

विंशोत्तरी दशा

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
चंद्र नक्षत्र · नाव	चित्रा
चंद्र नक्षत्र · पद	2
चंद्र नक्षत्र · स्वामी	मंगळ

जन्माच्या वेळची शिल्लक

स्वामी	मंगळ
वर्षे	4
महिने	7
दिवस	11

सध्याचे

नुसार	2026-11-08
महादशा · स्वामी	गुरु
महादशा · प्रारंभ	2013-05-30
महादशा · शेवट	2029-05-30
अंतर्दशा · स्वामी	मंगळ
अंतर्दशा · प्रारंभ	2026-01-28
अंतर्दशा · शेवट	2027-01-04
प्रत्यंतर दशा · स्वामी	शुक्र
प्रत्यंतर दशा · प्रारंभ	2026-09-23
प्रत्यंतर दशा · शेवट	2026-11-19

स्वामींची तारा

सूर्य	Janma
चंद्र	Janma
मंगळ	Parama Mitra
बुध	Janma
गुरु	Pratyak
शुक्र	Janma
शनी	Vadha
राहू	Mitra
केतू	Kshema

महादशा

मंगळ

प्रारंभ	1990-10-18
शेवट	1995-05-31

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
गुरु	1990-10-18	1990-10-20
शनी	1990-10-20	1991-11-29
बुध	1991-11-29	1992-11-25
केतू	1992-11-25	1993-04-23
शुक्र	1993-04-23	1994-06-23
सूर्य	1994-06-23	1994-10-29
चंद्र	1994-10-29	1995-05-31

राहू

प्रारंभ	1995-05-31
शेवट	2013-05-30

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
राहू	1995-05-31	1998-02-10
गुरु	1998-02-10	2000-07-06
शनी	2000-07-06	2003-05-13
बुध	2003-05-13	2005-11-29
केतू	2005-11-29	2006-12-18
शुक्र	2006-12-18	2009-12-18
सूर्य	2009-12-18	2010-11-12
चंद्र	2010-11-12	2012-05-13
मंगळ	2012-05-13	2013-05-30

गुरु

प्रारंभ	2013-05-30
शेवट	2029-05-30

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
गुरु	2013-05-30	2015-07-18
शनी	2015-07-18	2018-01-28
बुध	2018-01-28	2020-05-05
केतू	2020-05-05	2021-04-11
शुक्र	2021-04-11	2023-12-11
सूर्य	2023-12-11	2024-09-28
चंद्र	2024-09-28	2026-01-28
मंगळ	2026-01-28	2027-01-04
राहू	2027-01-04	2029-05-30

शनी

प्रारंभ	2029-05-30
शेवट	2048-05-30

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
शनी	2029-05-30	2032-06-02
बुध	2032-06-02	2035-02-10
केतू	2035-02-10	2036-03-21
शुक्र	2036-03-21	2039-05-22
सूर्य	2039-05-22	2040-05-03
चंद्र	2040-05-03	2041-12-02
मंगळ	2041-12-02	2043-01-11
राहू	2043-01-11	2045-11-17
गुरु	2045-11-17	2048-05-30

बुध

प्रारंभ	2048-05-30
शेवट	2065-05-30

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
बुध	2048-05-30	2050-10-27
केतू	2050-10-27	2051-10-24
शुक्र	2051-10-24	2054-08-24
सूर्य	2054-08-24	2055-06-30
चंद्र	2055-06-30	2056-11-28
मंगळ	2056-11-28	2057-11-25
राहू	2057-11-25	2060-06-13
गुरु	2060-06-13	2062-09-19
शनी	2062-09-19	2065-05-30

केतू

प्रारंभ	2065-05-30
शेवट	2072-05-30

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
केतू	2065-05-30	2065-10-26
शुक्र	2065-10-26	2066-12-26
सूर्य	2066-12-26	2067-05-03
चंद्र	2067-05-03	2067-12-02
मंगळ	2067-12-02	2068-04-29
राहू	2068-04-29	2069-05-18
गुरु	2069-05-18	2070-04-24
शनी	2070-04-24	2071-06-03
बुध	2071-06-03	2072-05-30

शुक्र

प्रारंभ	2072-05-30
शेवट	2092-05-30

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
शुक्र	2072-05-30	2075-09-30
सूर्य	2075-09-30	2076-09-29
चंद्र	2076-09-29	2078-05-31
मंगळ	2078-05-31	2079-07-31
राहू	2079-07-31	2082-07-31
गुरु	2082-07-31	2085-03-31
शनी	2085-03-31	2088-05-31
बुध	2088-05-31	2091-04-01
केतू	2091-04-01	2092-05-30

सूर्य

प्रारंभ	2092-05-30
शेवट	2098-05-31

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
सूर्य	2092-05-30	2092-09-17
चंद्र	2092-09-17	2093-03-19
मंगळ	2093-03-19	2093-07-25
राहू	2093-07-25	2094-06-19
गुरु	2094-06-19	2095-04-07
शनी	2095-04-07	2096-03-19
बुध	2096-03-19	2097-01-23
केतू	2097-01-23	2097-05-31
शुक्र	2097-05-31	2098-05-31

चंद्र

प्रारंभ	2098-05-31
शेवट	2108-05-31

अंतर्दशा

स्वामी	प्रारंभ	शेवट
चंद्र	2098-05-31	2099-03-31
मंगळ	2099-03-31	2099-10-30
राहू	2099-10-30	2101-05-01
गुरु	2101-05-01	2102-08-31
शनी	2102-08-31	2104-03-31
बुध	2104-03-31	2105-08-30
केतू	2105-08-30	2106-03-31
शुक्र	2106-03-31	2107-11-30
सूर्य	2107-11-30	2108-05-31

भावसंधी

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
भाव पद्धती	Sripati

भावस्थाने

भाव	प्रारंभ	मध्यम	शेवट	ग्रह
1	रेखांश: 281.11; रास: मकर; अंश: 11.11	रेखांश: 293.89; रास: मकर; अंश: 23.89	रेखांश: 311.11; रास: कुंभ; अंश: 11.11	—
2	रेखांश: 311.11; रास: कुंभ; अंश: 11.11	रेखांश: 328.33; रास: कुंभ; अंश: 28.33	रेखांश: 345.55; रास: मीन; अंश: 15.55	—
3	रेखांश: 345.55; रास: मीन; अंश: 15.55	रेखांश: 2.77; रास: मेष; अंश: 2.77	रेखांश: 19.99; रास: मेष; अंश: 19.99	—
4	रेखांश: 19.99; रास: मेष; अंश: 19.99	रेखांश: 37.21; रास: वृषभ; अंश: 7.21	रेखांश: 49.99; रास: वृषभ; अंश: 19.99	—
5	रेखांश: 49.99; रास: वृषभ; अंश: 19.99	रेखांश: 62.77; रास: मिथुन; अंश: 2.77	रेखांश: 75.55; रास: मिथुन; अंश: 15.55	मंगळ
6	रेखांश: 75.55; रास: मिथुन; अंश: 15.55	रेखांश: 88.33; रास: मिथुन; अंश: 28.33	रेखांश: 101.11; रास: कर्क; अंश: 11.11	केतू
7	रेखांश: 101.11; रास: कर्क; अंश: 11.11	रेखांश: 113.89; रास: कर्क; अंश: 23.89	रेखांश: 131.11; रास: सिंह; अंश: 11.11	गुरु
8	रेखांश: 131.11; रास: सिंह; अंश: 11.11	रेखांश: 148.33; रास: सिंह; अंश: 28.33	रेखांश: 165.55; रास: कन्या; अंश: 15.55	—
9	रेखांश: 165.55; रास: कन्या; अंश: 15.55	रेखांश: 182.77; रास: तूळ; अंश: 2.77	रेखांश: 199.99; रास: तूळ; अंश: 19.99	सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र
10	रेखांश: 199.99; रास: तूळ; अंश: 19.99	रेखांश: 217.21; रास: वृश्चिक; अंश: 7.21	रेखांश: 229.99; रास: वृश्चिक; अंश: 19.99	प्लूटो
11	रेखांश: 229.99; रास: वृश्चिक; अंश: 19.99	रेखांश: 242.77; रास: धनु; अंश: 2.77	रेखांश: 255.55; रास: धनु; अंश: 15.55	हर्षल
12	रेखांश: 255.55; रास: धनु; अंश: 15.55	रेखांश: 268.33; रास: धनु; अंश: 28.33	रेखांश: 281.11; रास: मकर; अंश: 11.11	शनी, राहू, नेपच्यून

ग्रह

नाव	रास	राशी स्थान	भाव
सूर्य	तूळ	10	9
चंद्र	कन्या	9	9
मंगळ	वृषभ	5	5
बुध	कन्या	9	9
गुरु	कर्क	7	7
शुक्र	कन्या	9	9
शनी	धनु	12	12
राहू	मकर	1	12
केतू	कर्क	7	6
हर्षल	धनु	12	11
नेपच्यून	धनु	12	12
प्लूटो	तूळ	10	10

KP ग्रह

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

भाव पद्धती	Placidus

ग्रह

नाव	रेखांश	रास	अंश	नक्षत्रस्वामी	उपस्वामी	उप-उपस्वामी	नक्षत्र
सूर्य	180.995	तूळ	0.995	मंगळ	बुध	मंगळ	चित्रा
चंद्र	177.8767	कन्या	27.8767	मंगळ	गुरु	राहू	चित्रा
मंगळ	50.7878	वृषभ	20.7878	चंद्र	शुक्र	शुक्र	रोहिणी
बुध	178.34	कन्या	28.34	मंगळ	शनी	बुध	चित्रा
गुरु	107.0494	कर्क	17.0494	बुध	बुध	शुक्र	आश्लेषा
शुक्र	177.3406	कन्या	27.3406	मंगळ	गुरु	सूर्य	चित्रा
शनी	265.4922	धनु	25.4922	शुक्र	बुध	गुरु	पूर्वाषाढा
राहू	279.9383	मकर	9.9383	सूर्य	शुक्र	केतू	उत्तराषाढा
केतू	99.9383	कर्क	9.9383	शनी	शुक्र	बुध	पुष्य
हर्षल	252.3458	धनु	12.3458	केतू	—	—	मूळ
नेपच्यून	258.2325	धनु	18.2325	शुक्र	—	—	पूर्वाषाढा
प्लूटो	203.0636	तूळ	23.0636	गुरु	—	—	विशाखा

नाव	पद	वक्री	भाव
सूर्य	3	नाही	8
चंद्र	2	नाही	8
मंगळ	4	नाही	4
बुध	2	नाही	8
गुरु	1	नाही	6
शुक्र	2	नाही	8
शनी	4	नाही	12
राहू	4	हो	12
केतू	2	हो	6
हर्षल	4	नाही	11
नेपच्यून	2	नाही	11
प्लूटो	1	नाही	9

KP भावसंधी

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
भाव पद्धती	Placidus

संधिबिंदू

भाव	रेखांश	रास	अंश	नक्षत्रस्वामी	उपस्वामी	उप-उपस्वामी	उपस्वामी गट
1	293.8935	मकर	23.8935	मंगळ	मंगळ	शुक्र	मंगळ, सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, राहू
2	334.7194	मीन	4.7194	शनी	शनी	चंद्र	शनी, सूर्य, चंद्र, मंगळ, बुध, शुक्र
3	9.6406	मेष	9.6406	केतू	शनी	शनी	शनी, सूर्य, चंद्र, मंगळ, बुध, शुक्र
4	37.2129	वृषभ	7.2129	सूर्य	केतू	सूर्य	केतू, गुरु, सूर्य, मंगळ, शनी, राहू, शुक्र

भाव	रेखांश	रास	अंश	नक्षत्रस्वामी	उपस्वामी	उप-उपस्वामी	उपस्वामी गट
5	61.004	मिथुन	1.004	मंगळ	बुध	मंगळ	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगळ, गुरु, शनी, राहू
6	84.9724	मिथुन	24.9724	गुरु	बुध	राहू	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगळ, गुरु, शनी, राहू
7	113.8935	कर्क	23.8935	बुध	मंगळ	शुक्र	मंगळ, सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, राहू
8	154.7194	कन्या	4.7194	सूर्य	शनी	राहू	शनी, सूर्य, चंद्र, मंगळ, बुध, शुक्र
9	189.6406	तूळ	9.6406	राहू	गुरु	शुक्र	गुरु, केतू, सूर्य, मंगळ, शनी, राहू, बुध
10	217.2129	वृश्चिक	7.2129	शनी	बुध	शनी	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगळ, गुरु, शनी, राहू
11	241.004	धनु	1.004	केतू	शुक्र	शुक्र	शुक्र, चंद्र, बुध, मंगळ, गुरु, शनी, राहू
12	264.9724	धनु	24.9724	शुक्र	बुध	मंगळ	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगळ, गुरु, शनी, राहू

मांगलिक

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
मांगलिक	नाही
संख्या	0
टक्केवारी	0
बल	No Manglik

पासून

	संदर्भ राशी	मंगळ रास	मंगळ स्थान	मांगलिक	दोष स्थाने
लग्न	मकर	वृषभ	5	नाही	1, 2, 4, 7, 8, 12
चंद्र	कन्या	वृषभ	9	नाही	1, 2, 4, 7, 8, 12
शुक्र	कन्या	वृषभ	9	नाही	1, 2, 4, 7, 8, 12

स्पष्टीकरण

नियम

मंगळ 1ल्या, 2ऱ्या, 4थ्या, 7व्या, 8व्या किंवा 12व्या भावात, लग्न, चंद्र आणि शुक्र यांपासून स्वतंत्रपणे मोजलेला; ज्या संदर्भात तो असेल तो प्रत्येक मोजला जातो, आणि निर्णय म्हणजे अशा संदर्भांची संख्या.

निर्णायक

लग्न · मंगळ स्थान	5
लग्न · मांगलिक	नाही
लग्न · संदर्भ राशी	मकर
चंद्र · मंगळ स्थान	9
चंद्र · मांगलिक	नाही
चंद्र · संदर्भ राशी	कन्या
शुक्र · मंगळ स्थान	9
शुक्र · मांगलिक	नाही
शुक्र · संदर्भ राशी	कन्या
संख्या	0
मांगलिक	नाही

परंपरा
कुज (मंगळ) दोष वैदिक विवाहमेलनात वापरल्याप्रमाणे. भावांबाबत (काही शाखा 2रे भाव वगळतात) आणि परिहारांबाबत शाखांमध्ये मतभेद आहेत; manglik-match दोन कुंडल्यांमधील परिहार सांगतो.

कालसर्प

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
वर्तमान	नाही
आंशिक	नाही
प्रकार	—
राहू स्थान	1

अक्षाबाहेरील ग्रह
सूर्य · चंद्र · बुध · गुरु · शुक्र · शनी

वर्णन	कालसर्प योग नाही. ग्रह राहू आणि केतूच्या मध्ये मर्यादित नाहीत.
उपाय	—

स्पष्टीकरण

नियम	सातही ग्रह (सूर्य ते शनी) राहू-केतू अक्षाच्या एका बाजूला; एखादा ग्रह अक्षाबाहेर किंवा अक्षावर असल्यास आंशिक.

निर्णायक

वर्तमान	नाही
आंशिक	नाही
प्रकार	—
राहू स्थान	1

अक्षाबाहेरील ग्रह
सूर्य · चंद्र · बुध · गुरु · शुक्र · शनी

परंपरा	शास्त्रीय ग्रंथांत (पराशर, फलदीपिका, सारावली) परिभाषित नाही; नंतरची परंपरा, उत्तर भारतीय पद्धतीत व्यापक वापर. बारा नामांकित प्रकार राहूच्या भावानुसार ठरतात.

साडेसाती

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
चंद्र रास	कन्या
नुसार	2026-11-08
साडेसाती सुरू	नाही
सध्याचे	—

पुढील साडेसाती

प्रकार	साडेसाती
टप्पा	Rising
शनीची राशी	सिंह
प्रारंभ	2036-08-27T15:06:45+00:00
शेवट	2038-10-22T11:26:48+00:00
दिवस	785.85
अल्प कालावधी	नाही
मूर्ती	Tamra Murti
मूर्ती शुभ	नाही
तपासणीपूर्वी सुरू झाले	नाही

स्पष्टीकरण

नियम	शनी जन्म चंद्रराशीपासून 12व्या, 1ल्या आणि 2ऱ्या राशीतून गोचर करत आहे (साडेसाती: पहिला, मधला, अंतिम टप्पा); येथे चंद्र कन्या राशीत आहे.

निर्णायक

चंद्र रास	कन्या
नुसार	2026-11-08
सुरू	—
साडेसाती सुरू	नाही

परंपरा
गोचर (संक्रमण) जन्म चंद्रराशीपासून मोजले जाते, वैदिक पद्धतीत प्रमाण. शनीच्या वक्री वळणामुळे येणारा काही महिन्यांपेक्षा कमी कालावधी short_spell म्हणून चिन्हित केला जातो.

अष्टकवर्ग

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
पद्धती	BPHS

राशिक्रम
मेष · वृषभ · मिथुन · कर्क · सिंह · कन्या · तूळ · वृश्चिक · धनु · मकर · कुंभ · मीन

भिन्नाष्टकवर्ग

	राशीनुसार	एकूण
सूर्य	2, 4, 6, 4, 5, 1, 3, 6, 4, 4, 4, 5	48
चंद्र	4, 4, 6, 6, 1, 3, 4, 4, 3, 4, 4, 6	49
मंगळ	2, 2, 4, 5, 4, 1, 2, 4, 4, 2, 5, 4	39
बुध	3, 4, 7, 4, 5, 4, 4, 4, 5, 5, 6, 3	54
गुरु	4, 8, 5, 6, 3, 3, 6, 4, 3, 6, 6, 2	56
शुक्र	6, 6, 1, 5, 4, 6, 4, 5, 2, 5, 4, 4	52
शनी	5, 4, 3, 5, 3, 1, 4, 4, 1, 2, 5, 2	39
लग्न	3, 4, 3, 5, 3, 4, 6, 4, 5, 3, 4, 5	49

सर्वाष्टकवर्ग

राशीनुसार	26, 32, 32, 35, 25, 19, 27, 31, 22, 28, 34, 26
एकूण	337

घट

	आधी	त्रिकोण	एकाधिपत्य	राशिपिंड	ग्रहपिंड	शोध्यपिंड
सूर्य	2, 4, 6, 4, 5, 1, 3, 6, 4, 4, 4, 5	0, 3, 3, 0, 3, 0, 0, 2, 2, 3, 1, 1	0, 3, 3, 0, 3, 0, 0, 2, 2, 1, 1, 0	134	34	168
चंद्र	4, 4, 6, 6, 1, 3, 4, 4, 3, 4, 4, 6	3, 1, 2, 2, 0, 0, 0, 0, 2, 1, 0, 2	3, 1, 2, 2, 0, 0, 0, 0, 2, 1, 0, 0	78	38	116
मंगळ	2, 2, 4, 5, 4, 1, 2, 4, 4, 2, 5, 4	0, 1, 2, 1, 2, 0, 0, 0, 2, 1, 3, 0	0, 1, 2, 1, 2, 0, 0, 0, 2, 1, 1, 0	84	28	112
बुध	3, 4, 7, 4, 5, 4, 4, 4, 5, 5, 6, 3	0, 0, 3, 1, 2, 0, 0, 1, 2, 1, 2, 0	0, 0, 3, 1, 2, 0, 0, 1, 2, 1, 1, 0	90	20	110
गुरु	4, 8, 5, 6, 3, 3, 6, 4, 3, 6, 6, 2	1, 5, 0, 4, 0, 0, 1, 2, 0, 3, 1, 0	1, 5, 0, 4, 0, 0, 1, 1, 0, 1, 1, 0	104	85	189
शुक्र	6, 6, 1, 5, 4, 6, 4, 5, 2, 5, 4, 4	4, 1, 0, 1, 2, 1, 3, 1, 0, 0, 3, 0	1, 1, 0, 1, 2, 1, 3, 1, 0, 0, 3, 0	108	50	158
शनी	5, 4, 3, 5, 3, 1, 4, 4, 1, 2, 5, 2	4, 3, 0, 3, 2, 0, 1, 2, 0, 1, 2, 0	2, 3, 0, 3, 2, 0, 1, 2, 0, 1, 1, 0	115	59	174
लग्न	3, 4, 3, 5, 3, 4, 6, 4, 5, 3, 4, 5	0, 1, 0, 1, 0, 1, 3, 0, 2, 0, 1, 1	0, 1, 0, 1, 0, 1, 3, 0, 2, 0, 1, 0	69	60	129

आयुष्य

पद्धती	BPHS

नक्षत्र आयुष्य

शोध्य सर्वाष्टकवर्ग	602
आयुष्य एकके	156.07
वर्षे	138.45
सर्वाष्टकवर्ग आधी	26, 32, 32, 35, 25, 19, 27, 31, 22, 28, 34, 26
सर्वाष्टकवर्ग त्रिकोण	4, 13, 5, 9, 3, 0, 0, 5, 0, 9, 7, 0
सर्वाष्टकवर्ग एकाधिपत्य	4, 13, 5, 9, 3, 0, 0, 4, 0, 7, 7, 0
राशिपिंड	408
ग्रहपिंड	194

मंडल आयुष्य

आढळलेले प्रेरक घटक	चंद्र केंद्रात नाही आणि दुसऱ्या एखाद्या ग्रहाशी युतीत
लागू	हो

विभागणी

	शोध्य	स्थूल	हरण गुणक	हरण खुणा	हरण स्तर	कमी केलेले
सूर्य	168	16.56	0.5	नीच	A	8.28
चंद्र	116	3.07	0.5	Multi-in-sign	A	1.54
मंगळ	112	2.04	1	—	—	2.04
बुध	110	1.52	0.5	Multi-in-sign	A	0.76
गुरु	189	22	1	—	—	22
शुक्र	158	13.96	0.5	Multi-in-sign, नीच	A	6.98
शनी	174	18.11	1	—	—	18.11

एकूण	59.7
वर्षे	58.85

चक्रपात लागू केला	नाही

ग्रहण तपासले	नाही

पद्धतीचे नियम · नियमावली	BPHS
पद्धतीचे नियम · यांच्याशी समान	—
पद्धतीचे नियम · टीप	BPHS अध्याय 70 — त्रिकोण आणि एकाधिपत्य शोधन.

योगिनी दशा

प्रणाली	योगिनी
अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

जन्माच्या वेळची शिल्लक

योगिनी	Mangala
वर्षे	0
महिने	7
दिवस	28

सध्याचे

नुसार	2026-11-08

महादशा

योगिनी	Mangala
स्वामी	चंद्र
प्रारंभ	2026-06-15
शेवट	2027-06-16
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	Bhadrika
स्वामी	बुध
प्रारंभ	2026-09-23
शेवट	2026-11-12

महादशा

चंद्र

योगिनी	Mangala
प्रारंभ	1990-10-18
शेवट	1991-06-16
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Bhadrika	बुध	1990-10-18	1990-11-13
Ulka	शनी	1990-11-13	1991-01-12
सिद्ध	शुक्र	1991-01-12	1991-03-23
Sankata	राहू	1991-03-23	1991-06-16

सूर्य

योगिनी	Pingala
प्रारंभ	1991-06-16
शेवट	1993-06-15
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Pingala	सूर्य	1991-06-16	1991-07-26
Dhanya	गुरु	1991-07-26	1991-09-24
Bhramari	मंगळ	1991-09-24	1991-12-13
Bhadrika	बुध	1991-12-13	1992-03-22
Ulka	शनी	1992-03-22	1992-07-20
सिद्ध	शुक्र	1992-07-20	1992-12-07
Sankata	राहू	1992-12-07	1993-05-16
Mangala	चंद्र	1993-05-16	1993-06-15

गुरु

योगिनी	Dhanya
प्रारंभ	1993-06-15
शेवट	1996-06-15
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Dhanya	गुरु	1993-06-15	1993-09-13
Bhramari	मंगळ	1993-09-13	1994-01-11
Bhadrika	बुध	1994-01-11	1994-06-10
Ulka	शनी	1994-06-10	1994-12-07
सिद्ध	शुक्र	1994-12-07	1995-07-05
Sankata	राहू	1995-07-05	1996-03-01
Mangala	चंद्र	1996-03-01	1996-03-31
Pingala	सूर्य	1996-03-31	1996-06-15

मंगळ

योगिनी	Bhramari
प्रारंभ	1996-06-15
शेवट	2000-06-15
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Bhramari	मंगळ	1996-06-15	1996-11-22
Bhadrika	बुध	1996-11-22	1997-06-10
Ulka	शनी	1997-06-10	1998-02-05
सिद्ध	शुक्र	1998-02-05	1998-11-12
Sankata	राहू	1998-11-12	1999-09-28
Mangala	चंद्र	1999-09-28	1999-11-07
Pingala	सूर्य	1999-11-07	2000-01-26
Dhanya	गुरु	2000-01-26	2000-06-15

बुध

योगिनी	Bhadrika
प्रारंभ	2000-06-15
शेवट	2005-06-15
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Bhadrika	बुध	2000-06-15	2001-02-20
Ulka	शनी	2001-02-20	2001-12-17
सिद्ध	शुक्र	2001-12-17	2002-12-02
Sankata	राहू	2002-12-02	2004-01-06
Mangala	चंद्र	2004-01-06	2004-02-25
Pingala	सूर्य	2004-02-25	2004-06-04
Dhanya	गुरु	2004-06-04	2004-11-01
Bhramari	मंगळ	2004-11-01	2005-06-15

शनी

योगिनी	Ulka
प्रारंभ	2005-06-15
शेवट	2011-06-16
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Ulka	शनी	2005-06-15	2006-06-10
सिद्ध	शुक्र	2006-06-10	2007-08-04
Sankata	राहू	2007-08-04	2008-11-26
Mangala	चंद्र	2008-11-26	2009-01-25
Pingala	सूर्य	2009-01-25	2009-05-25
Dhanya	गुरु	2009-05-25	2009-11-21
Bhramari	मंगळ	2009-11-21	2010-07-19
Bhadrika	बुध	2010-07-19	2011-06-16

शुक्र

योगिनी	सिद्ध

प्रारंभ	2011-06-16
शेवट	2018-06-15
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
सिद्ध	शुक्र	2011-06-16	2012-10-18
Sankata	राहू	2012-10-18	2014-05-01
Mangala	चंद्र	2014-05-01	2014-07-10
Pingala	सूर्य	2014-07-10	2014-11-27
Dhanya	गुरु	2014-11-27	2015-06-25
Bhramari	मंगळ	2015-06-25	2016-03-31
Bhadrika	बुध	2016-03-31	2017-03-16
Ulka	शनी	2017-03-16	2018-06-15

राहू

योगिनी	Sankata
प्रारंभ	2018-06-15
शेवट	2026-06-15
चक्र	1

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Sankata	राहू	2018-06-15	2020-03-16
Mangala	चंद्र	2020-03-16	2020-06-04
Pingala	सूर्य	2020-06-04	2020-11-11
Dhanya	गुरु	2020-11-11	2021-07-09
Bhramari	मंगळ	2021-07-09	2022-05-25
Bhadrika	बुध	2022-05-25	2023-06-29
Ulka	शनी	2023-06-29	2024-10-21
सिद्ध	शुक्र	2024-10-21	2026-06-15

चंद्र

योगिनी	Mangala
प्रारंभ	2026-06-15
शेवट	2027-06-16
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Mangala	चंद्र	2026-06-15	2026-06-25
Pingala	सूर्य	2026-06-25	2026-07-15
Dhanya	गुरु	2026-07-15	2026-08-14
Bhramari	मंगळ	2026-08-14	2026-09-23
Bhadrika	बुध	2026-09-23	2026-11-12
Ulka	शनी	2026-11-12	2027-01-11
सिद्ध	शुक्र	2027-01-11	2027-03-22

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Sankata	राहू	2027-03-22	2027-06-16

सूर्य

योगिनी	Pingala
प्रारंभ	2027-06-16
शेवट	2029-06-15
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Pingala	सूर्य	2027-06-16	2027-07-26
Dhanya	गुरु	2027-07-26	2027-09-24
Bhramari	मंगळ	2027-09-24	2027-12-13
Bhadrika	बुध	2027-12-13	2028-03-22
Ulka	शनी	2028-03-22	2028-07-20
सिद्ध	शुक्र	2028-07-20	2028-12-07
Sankata	राहू	2028-12-07	2029-05-16
Mangala	चंद्र	2029-05-16	2029-06-15

गुरु

योगिनी	Dhanya
प्रारंभ	2029-06-15
शेवट	2032-06-15
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Dhanya	गुरु	2029-06-15	2029-09-13
Bhramari	मंगळ	2029-09-13	2030-01-11
Bhadrika	बुध	2030-01-11	2030-06-10
Ulka	शनी	2030-06-10	2030-12-07
सिद्ध	शुक्र	2030-12-07	2031-07-05
Sankata	राहू	2031-07-05	2032-03-01
Mangala	चंद्र	2032-03-01	2032-03-31
Pingala	सूर्य	2032-03-31	2032-06-15

मंगळ

योगिनी	Bhramari
प्रारंभ	2032-06-15
शेवट	2036-06-15
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Bhramari	मंगळ	2032-06-15	2032-11-22
Bhadrika	बुध	2032-11-22	2033-06-10

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Ulka	शनी	2033-06-10	2034-02-05
सिद्ध	शुक्र	2034-02-05	2034-11-12
Sankata	राहू	2034-11-12	2035-09-28
Mangala	चंद्र	2035-09-28	2035-11-07
Pingala	सूर्य	2035-11-07	2036-01-26
Dhanya	गुरु	2036-01-26	2036-06-15

बुध

योगिनी	Bhadrika
प्रारंभ	2036-06-15
शेवट	2041-06-15
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Bhadrika	बुध	2036-06-15	2037-02-20
Ulka	शनी	2037-02-20	2037-12-17
सिद्ध	शुक्र	2037-12-17	2038-12-02
Sankata	राहू	2038-12-02	2040-01-06
Mangala	चंद्र	2040-01-06	2040-02-25
Pingala	सूर्य	2040-02-25	2040-06-04
Dhanya	गुरु	2040-06-04	2040-11-01
Bhramari	मंगळ	2040-11-01	2041-06-15

शनी

योगिनी	Ulka
प्रारंभ	2041-06-15
शेवट	2047-06-15
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Ulka	शनी	2041-06-15	2042-06-10
सिद्ध	शुक्र	2042-06-10	2043-08-04
Sankata	राहू	2043-08-04	2044-11-26
Mangala	चंद्र	2044-11-26	2045-01-25
Pingala	सूर्य	2045-01-25	2045-05-25
Dhanya	गुरु	2045-05-25	2045-11-21
Bhramari	मंगळ	2045-11-21	2046-07-19
Bhadrika	बुध	2046-07-19	2047-06-15

शुक्र

योगिनी	सिद्ध
प्रारंभ	2047-06-15
शेवट	2054-06-15
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
सिद्ध	शुक्र	2047-06-15	2048-10-17
Sankata	राहू	2048-10-17	2050-04-30
Mangala	चंद्र	2050-04-30	2050-07-09
Pingala	सूर्य	2050-07-09	2050-11-26
Dhanya	गुरु	2050-11-26	2051-06-24
Bhramari	मंगळ	2051-06-24	2052-03-30
Bhadrika	बुध	2052-03-30	2053-03-15
Ulka	शनी	2053-03-15	2054-06-15

राहू

योगिनी	Sankata
प्रारंभ	2054-06-15
शेवट	2062-06-15
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Sankata	राहू	2054-06-15	2056-03-16
Mangala	चंद्र	2056-03-16	2056-06-04
Pingala	सूर्य	2056-06-04	2056-11-11
Dhanya	गुरु	2056-11-11	2057-07-09
Bhramari	मंगळ	2057-07-09	2058-05-25
Bhadrika	बुध	2058-05-25	2059-06-29
Ulka	शनी	2059-06-29	2060-10-21
सिद्ध	शुक्र	2060-10-21	2062-06-15

चंद्र

योगिनी	Mangala
प्रारंभ	2062-06-15
शेवट	2063-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Mangala	चंद्र	2062-06-15	2062-06-25
Pingala	सूर्य	2062-06-25	2062-07-15
Dhanya	गुरु	2062-07-15	2062-08-14
Bhramari	मंगळ	2062-08-14	2062-09-23
Bhadrika	बुध	2062-09-23	2062-11-12
Ulka	शनी	2062-11-12	2063-01-11
सिद्ध	शुक्र	2063-01-11	2063-03-22
Sankata	राहू	2063-03-22	2063-06-15

सूर्य

योगिनी	Pingala

प्रारंभ	2063-06-15
शेवट	2065-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Pingala	सूर्य	2063-06-15	2063-07-25
Dhanya	गुरु	2063-07-25	2063-09-23
Bhramari	मंगळ	2063-09-23	2063-12-12
Bhadrika	बुध	2063-12-12	2064-03-21
Ulka	शनी	2064-03-21	2064-07-19
सिद्ध	शुक्र	2064-07-19	2064-12-06
Sankata	राहू	2064-12-06	2065-05-15
Mangala	चंद्र	2065-05-15	2065-06-15

गुरु

योगिनी	Dhanya
प्रारंभ	2065-06-15
शेवट	2068-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Dhanya	गुरु	2065-06-15	2065-09-13
Bhramari	मंगळ	2065-09-13	2066-01-11
Bhadrika	बुध	2066-01-11	2066-06-10
Ulka	शनी	2066-06-10	2066-12-07
सिद्ध	शुक्र	2066-12-07	2067-07-05
Sankata	राहू	2067-07-05	2068-03-01
Mangala	चंद्र	2068-03-01	2068-03-31
Pingala	सूर्य	2068-03-31	2068-06-15

मंगळ

योगिनी	Bhramari
प्रारंभ	2068-06-15
शेवट	2072-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Bhramari	मंगळ	2068-06-15	2068-11-22
Bhadrika	बुध	2068-11-22	2069-06-10
Ulka	शनी	2069-06-10	2070-02-05
सिद्ध	शुक्र	2070-02-05	2070-11-12
Sankata	राहू	2070-11-12	2071-09-28
Mangala	चंद्र	2071-09-28	2071-11-07
Pingala	सूर्य	2071-11-07	2072-01-26

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Dhanya	गुरु	2072-01-26	2072-06-15

बुध

योगिनी	Bhadrika
प्रारंभ	2072-06-15
शेवट	2077-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Bhadrika	बुध	2072-06-15	2073-02-20
Ulka	शनी	2073-02-20	2073-12-17
सिद्ध	शुक्र	2073-12-17	2074-12-02
Sankata	राहू	2074-12-02	2076-01-06
Mangala	चंद्र	2076-01-06	2076-02-25
Pingala	सूर्य	2076-02-25	2076-06-04
Dhanya	गुरु	2076-06-04	2076-11-01
Bhramari	मंगळ	2076-11-01	2077-06-15

शनी

योगिनी	Ulka
प्रारंभ	2077-06-15
शेवट	2083-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Ulka	शनी	2077-06-15	2078-06-10
सिद्ध	शुक्र	2078-06-10	2079-08-04
Sankata	राहू	2079-08-04	2080-11-26
Mangala	चंद्र	2080-11-26	2081-01-25
Pingala	सूर्य	2081-01-25	2081-05-25
Dhanya	गुरु	2081-05-25	2081-11-21
Bhramari	मंगळ	2081-11-21	2082-07-19
Bhadrika	बुध	2082-07-19	2083-06-15

शुक्र

योगिनी	सिद्ध
प्रारंभ	2083-06-15
शेवट	2090-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
सिद्ध	शुक्र	2083-06-15	2084-10-17
Sankata	राहू	2084-10-17	2086-04-30

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Mangala	चंद्र	2086-04-30	2086-07-09
Pingala	सूर्य	2086-07-09	2086-11-26
Dhanya	गुरु	2086-11-26	2087-06-24
Bhramari	मंगळ	2087-06-24	2088-03-30
Bhadrika	बुध	2088-03-30	2089-03-15
Ulka	शनी	2089-03-15	2090-06-15

राहू

योगिनी	Sankata
प्रारंभ	2090-06-15
शेवट	2098-06-15
चक्र	3

अंतर्दशा

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	शेवट
Sankata	राहू	2090-06-15	2092-03-16
Mangala	चंद्र	2092-03-16	2092-06-04
Pingala	सूर्य	2092-06-04	2092-11-11
Dhanya	गुरु	2092-11-11	2093-07-09
Bhramari	मंगळ	2093-07-09	2094-05-25
Bhadrika	बुध	2094-05-25	2095-06-29
Ulka	शनी	2095-06-29	2096-10-21
सिद्ध	शुक्र	2096-10-21	2098-06-15

चर दशा

प्रणाली	Chara
अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाव	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
दिशा	Reverse

सध्याचे

नुसार	2026-11-08

महादशा

रास	कन्या
रास क्रमांक	6
प्रारंभ	2015-10-18
शेवट	2027-10-18
वर्षे	12

अंतर्दशा

रास	कन्या

रास क्रमांक	6
प्रारंभ	2026-10-18
शेवट	2027-10-18

महादशा

मकर

रास क्रमांक	10
प्रारंभ	1990-10-18
शेवट	1991-10-18
वर्षे	1

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
धनु	9	1990-10-18	1990-11-18
वृश्चिक	8	1990-11-18	1990-12-18
तूळ	7	1990-12-18	1991-01-17
कन्या	6	1991-01-17	1991-02-17
सिंह	5	1991-02-17	1991-03-19
कर्क	4	1991-03-19	1991-04-19
मिथुन	3	1991-04-19	1991-05-19
वृषभ	2	1991-05-19	1991-06-19
मेष	1	1991-06-19	1991-07-19
मीन	12	1991-07-19	1991-08-18
कुंभ	11	1991-08-18	1991-09-18
मकर	10	1991-09-18	1991-10-18

धनु

रास क्रमांक	9
प्रारंभ	1991-10-18
शेवट	1998-10-18
वर्षे	7

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
वृश्चिक	8	1991-10-18	1992-05-18
तूळ	7	1992-05-18	1992-12-17
कन्या	6	1992-12-17	1993-07-19
सिंह	5	1993-07-19	1994-02-17
कर्क	4	1994-02-17	1994-09-18
मिथुन	3	1994-09-18	1995-04-19
वृषभ	2	1995-04-19	1995-11-18
मेष	1	1995-11-18	1996-06-18
मीन	12	1996-06-18	1997-01-17
कुंभ	11	1997-01-17	1997-08-18
मकर	10	1997-08-18	1998-03-19
धनु	9	1998-03-19	1998-10-18

वृश्चिक

रास क्रमांक	8
प्रारंभ	1998-10-18
शेवट	2004-10-17
वर्षे	6

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
तूळ	7	1998-10-18	1999-04-19
कन्या	6	1999-04-19	1999-10-18
सिंह	5	1999-10-18	2000-04-18
कर्क	4	2000-04-18	2000-10-18
मिथुन	3	2000-10-18	2001-04-18
वृषभ	2	2001-04-18	2001-10-18
मेष	1	2001-10-18	2002-04-18
मीन	12	2002-04-18	2002-10-18
कुंभ	11	2002-10-18	2003-04-19
मकर	10	2003-04-19	2003-10-18
धनु	9	2003-10-18	2004-04-18
वृश्चिक	8	2004-04-18	2004-10-17

तूळ

रास क्रमांक	7
प्रारंभ	2004-10-17
शेवट	2015-10-18
वर्षे	11

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
वृश्चिक	8	2004-10-17	2005-09-17
धनु	9	2005-09-17	2006-08-18
मकर	10	2006-08-18	2007-07-19
कुंभ	11	2007-07-19	2008-06-18
मीन	12	2008-06-18	2009-05-19
मेष	1	2009-05-19	2010-04-18
वृषभ	2	2010-04-18	2011-03-19
मिथुन	3	2011-03-19	2012-02-17
कर्क	4	2012-02-17	2013-01-17
सिंह	5	2013-01-17	2013-12-18
कन्या	6	2013-12-18	2014-11-17
तूळ	7	2014-11-17	2015-10-18

कन्या

रास क्रमांक	6
प्रारंभ	2015-10-18
शेवट	2027-10-18
वर्षे	12

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
तूळ	7	2015-10-18	2016-10-17
वृश्चिक	8	2016-10-17	2017-10-18
धनु	9	2017-10-18	2018-10-18
मकर	10	2018-10-18	2019-10-18
कुंभ	11	2019-10-18	2020-10-17
मीन	12	2020-10-17	2021-10-18
मेष	1	2021-10-18	2022-10-18
वृषभ	2	2022-10-18	2023-10-18
मिथुन	3	2023-10-18	2024-10-17
कर्क	4	2024-10-17	2025-10-18
सिंह	5	2025-10-18	2026-10-18
कन्या	6	2026-10-18	2027-10-18

सिंह

रास क्रमांक	5
प्रारंभ	2027-10-18
शेवट	2037-10-18
वर्षे	10

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
कन्या	6	2027-10-18	2028-08-17
तूळ	7	2028-08-17	2029-06-18
वृश्चिक	8	2029-06-18	2030-04-18
धनु	9	2030-04-18	2031-02-17
मकर	10	2031-02-17	2031-12-18
कुंभ	11	2031-12-18	2032-10-17
मीन	12	2032-10-17	2033-08-18
मेष	1	2033-08-18	2034-06-18
वृषभ	2	2034-06-18	2035-04-18
मिथुन	3	2035-04-18	2036-02-17
कर्क	4	2036-02-17	2036-12-17
सिंह	5	2036-12-17	2037-10-18

कर्क

रास क्रमांक	4
प्रारंभ	2037-10-18
शेवट	2047-10-18
वर्षे	10

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
मिथुन	3	2037-10-18	2038-08-18
वृषभ	2	2038-08-18	2039-06-18
मेष	1	2039-06-18	2040-04-18

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
मीन	12	2040-04-18	2041-02-16
कुंभ	11	2041-02-16	2041-12-17
मकर	10	2041-12-17	2042-10-18
धनु	9	2042-10-18	2043-08-18
वृश्चिक	8	2043-08-18	2044-06-17
तूळ	7	2044-06-17	2045-04-18
कन्या	6	2045-04-18	2046-02-16
सिंह	5	2046-02-16	2046-12-18
कर्क	4	2046-12-18	2047-10-18

मिथुन

रास क्रमांक	3
प्रारंभ	2047-10-18
शेवट	2050-10-18
वर्षे	3

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
वृषभ	2	2047-10-18	2048-01-17
मेष	1	2048-01-17	2048-04-18
मीन	12	2048-04-18	2048-07-18
कुंभ	11	2048-07-18	2048-10-17
मकर	10	2048-10-17	2049-01-16
धनु	9	2049-01-16	2049-04-18
वृश्चिक	8	2049-04-18	2049-07-18
तूळ	7	2049-07-18	2049-10-17
कन्या	6	2049-10-17	2050-01-17
सिंह	5	2050-01-17	2050-04-18
कर्क	4	2050-04-18	2050-07-18
मिथुन	3	2050-07-18	2050-10-18

वृषभ

रास क्रमांक	2
प्रारंभ	2050-10-18
शेवट	2054-10-18
वर्षे	4

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
मेष	1	2050-10-18	2051-02-16
मीन	12	2051-02-16	2051-06-18
कुंभ	11	2051-06-18	2051-10-18
मकर	10	2051-10-18	2052-02-17
धनु	9	2052-02-17	2052-06-17
वृश्चिक	8	2052-06-17	2052-10-17
तूळ	7	2052-10-17	2053-02-16

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
कन्या	6	2053-02-16	2053-06-18
सिंह	5	2053-06-18	2053-10-17
कर्क	4	2053-10-17	2054-02-16
मिथुन	3	2054-02-16	2054-06-18
वृषभ	2	2054-06-18	2054-10-18

मेष

रास क्रमांक	1
प्रारंभ	2054-10-18
शेवट	2055-10-18
वर्षे	1

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
वृषभ	2	2054-10-18	2054-11-17
मिथुन	3	2054-11-17	2054-12-17
कर्क	4	2054-12-17	2055-01-17
सिंह	5	2055-01-17	2055-02-16
कन्या	6	2055-02-16	2055-03-19
तूळ	7	2055-03-19	2055-04-18
वृश्चिक	8	2055-04-18	2055-05-19
धनु	9	2055-05-19	2055-06-18
मकर	10	2055-06-18	2055-07-19
कुंभ	11	2055-07-19	2055-08-18
मीन	12	2055-08-18	2055-09-17
मेष	1	2055-09-17	2055-10-18

मीन

रास क्रमांक	12
प्रारंभ	2055-10-18
शेवट	2063-10-18
वर्षे	8

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
मेष	1	2055-10-18	2056-06-17
वृषभ	2	2056-06-17	2057-02-16
मिथुन	3	2057-02-16	2057-10-17
कर्क	4	2057-10-17	2058-06-18
सिंह	5	2058-06-18	2059-02-16
कन्या	6	2059-02-16	2059-10-18
तूळ	7	2059-10-18	2060-06-17
वृश्चिक	8	2060-06-17	2061-02-16
धनु	9	2061-02-16	2061-10-17
मकर	10	2061-10-17	2062-06-18
कुंभ	11	2062-06-18	2063-02-16

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
मीन	12	2063-02-16	2063-10-18

कुंभ

रास क्रमांक	11
प्रारंभ	2063-10-18
शेवट	2065-10-17
वर्षे	2

अंतर्दशा

रास	रास क्रमांक	प्रारंभ	शेवट
मीन	12	2063-10-18	2063-12-18
मेष	1	2063-12-18	2064-02-17
वृषभ	2	2064-02-17	2064-04-17
मिथुन	3	2064-04-17	2064-06-17
कर्क	4	2064-06-17	2064-08-17
सिंह	5	2064-08-17	2064-10-17
कन्या	6	2064-10-17	2064-12-17
तूळ	7	2064-12-17	2065-02-16
वृश्चिक	8	2065-02-16	2065-04-18
धनु	9	2065-04-18	2065-06-18
मकर	10	2065-06-18	2065-08-17
कुंभ	11	2065-08-17	2065-10-17

ग्रह अहवाल

अयनांश · ID	Lahiri
नोड	True
लग्न	मकर
लग्नेश	शनी
चंद्र नक्षत्र	चित्रा
भाव पद्धती	Whole sign

ग्रह

सूर्य

भाव	10

सुस्थितीत असल्यास
दहाव्या स्थानातील सूर्य ही करिअरमधील यश आणि सांसारिक अधिकारासाठी सर्वोत्तम स्थितींपैकी एक आहे. जातक प्रसिद्ध, आदरणीय असेल आणि मोठ्या सत्तेची पदे भूषवेल. तो सरकारी सेवा, राजकारण किंवा नेतृत्वाच्या भूमिकांत यशस्वी होईल. त्याचे करिअर प्रतिष्ठित असेल आणि तो आपल्या कार्यक्षेत्रात सुपरिचित असेल.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास पदावरून अचानक पतन, वरिष्ठांशी संघर्ष आणि शासनाकडून त्रास होऊ शकतो. जातक अतिमहत्त्वाकांक्षी असू शकतो आणि प्रतिष्ठेच्या मागे लागून इतरांचे नुकसान करू शकतो. सूर्य तीव्र पीडित असताना करिअरमध्ये धक्के आणि सार्वजनिक अपमान संभवतो.

चंद्र

भाव	9

सुस्थितीत असल्यास
नवव्या स्थानातील चंद्र भाग्यवान आणि आशीर्वादित जीवन, आध्यात्मिक कल आणि निष्ठावान व धार्मिक वडील देतो. जातक धर्मपरायण असेल, पवित्र स्थळांची यात्रा करेल आणि उच्च शिक्षण व तात्त्विक अध्ययनात यशस्वी होईल. धर्माचरणामुळे जातकावर भाग्य प्रसन्न होते.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास वडिलांशी संघर्ष, बदलत्या व विसंगत धार्मिक श्रद्धा आणि श्रद्धा व तत्त्वज्ञानाच्या बाबतीत भावनिक अस्थिरता असू शकते. जातक खऱ्या अर्थाने आध्यात्मिक असण्याऐवजी अंधश्रद्धाळू असू शकतो.

मंगळ

भाव	5

सुस्थितीत असल्यास
पाचव्या स्थानातील मंगळ स्पर्धात्मक बुद्धी, गतिमान सर्जनशीलता आणि खेळ, सट्टा व सर्जनशील क्षेत्रांत यश देतो. सर्जनशील महत्त्वाकांक्षांच्या मागे लागताना जातक उत्कट, उत्साही आणि जोरकस असेल. संतती बलवान आणि खेळाडू वृत्तीची असू शकते.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास संततीबाबत मोठ्या अडचणी, ज्यात संभाव्य वियोग किंवा आजार यांचा समावेश आहे, आवेगी सट्ट्यातील तोट्यामुळे आर्थिक चणचण आणि प्रेमसंबंधांत आक्रमक वर्तन असू शकते, ज्यामुळे जोडीदार दुरावतात.

बुध

भाव	9

सुस्थितीत असल्यास
नवव्या स्थानातील बुध तात्त्विक बुद्धी, उच्च शिक्षण व प्रकाशनात यश आणि धार्मिक व तात्त्विक चर्चेत कौशल्य देतो. जातक अनेक विषयांत विद्वान असेल आणि शिक्षक, विद्वान किंवा तात्त्विक व आध्यात्मिक ग्रंथांचा लेखक म्हणून यशस्वी होईल.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास बौद्धिक गर्व आणि अहंकार, खोल श्रद्धेत अडथळा आणणाऱ्या सतत बदलत्या तात्त्विक धारणा आणि ज्यांना जातक अतिवादविवादी व अतिविश्लेषक वाटतो अशा शिक्षक व आध्यात्मिक मार्गदर्शकांशी अडचणी असू शकतात.

गुरु

भाव	7

सुस्थितीत असल्यास
सप्तम स्थानातील गुरू आदर्श, ज्ञानी, आध्यात्मिक प्रवृत्तीचा आणि अत्यंत भाग्यवान जोडीदार देतो. विवाह, भागीदारी आणि सार्वजनिक व्यवहार यांतून जातकाची मोठी भरभराट होईल. विवाह खऱ्या आनंदाचा आणि परस्पर प्रगतीचा स्रोत ठरेल.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास, जोडीदाराचे अति-आदर्शीकरण होऊ शकते, जे वास्तव अपेक्षेपेक्षा कमी पडल्यावर तीव्र निराशा देते, भागीदारीत कायदेशीर वाद होऊ शकतात आणि नैतिकतेचा आग्रह धरणारे पण अव्यवहार्य जोडीदार आकर्षित करण्याची प्रवृत्ती असू शकते.

शुक्र

भाव	9

सुस्थितीत असल्यास
नवम स्थानातील शुक्र भाग्यशाली, सुखद आणि कलात्मकदृष्ट्या समृद्ध जीवनदृष्टी देतो. सौंदर्य, संगीत आणि कलांच्या माध्यमातून जातकाला आध्यात्मिक समाधान मिळेल. परदेश प्रवास अत्यंत सुखद ठरतील आणि त्यांतून महत्त्वाच्या प्रणयविषयक किंवा कलात्मक भेटी घडू शकतात.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास, अति-उपभोग आणि सुखाच्या शोधाचे समर्थन करणाऱ्या भोगप्रधान आणि स्वार्थी आध्यात्मिक धारणा, प्रणय किंवा आर्थिक अतिरेकामुळे वडिलांशी अडचणी आणि कायदेशीर बाबींत चुकीचे निर्णय होऊ शकतात.

शनी

भाव	12

सुस्थितीत असल्यास
द्वादश स्थानातील शनी सखोल आणि खरे आध्यात्मिक जीवन, त्याग आणि एकांतवासात यश, सखोल ध्यानाची क्षमता आणि सातत्यपूर्ण आध्यात्मिक शिस्त व सांसारिक इच्छांपासून अलिप्ततेतून संभाव्य मोक्ष देतो.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास, द्वादश स्थानातील शनी आजारपण, एकाकीपणा, कारावास किंवा रुग्णालयात दाखल होणे यांपैकी कशाच्या तरी माध्यमातून दीर्घकालीन आणि कठीण बंदिवास आणतो. दीर्घकालीन त्रासामुळे मोठा आर्थिक खर्च होऊ शकतो. गुप्त शत्रू सततचे आणि प्रतिकार करण्यास कठीण असे नुकसान करतात.

राहू

भाव	1

सुस्थितीत असल्यास
लग्न स्थानातील राहू अपारंपरिक, करिष्माई आणि तीव्र महत्त्वाकांक्षी व्यक्तिमत्त्व देतो, ज्याचे परदेशाशी प्रबळ संबंध असतात आणि ज्याच्यात अनपेक्षितपणे प्रकट होणारी असामान्य प्रतिभा असते. असाधारण आणि अपारंपरिक मार्गांनी जातक आयुष्यात प्रगती करेल. त्याचे व्यक्तिमत्त्व संमोहक असेल, जे इतरांना प्रबळपणे आकर्षित करते.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास, स्वतःच्या ओळखीबद्दल दीर्घकालीन गोंधळ, मज्जासंस्था आणि मेंदूशी संबंधित गंभीर आरोग्य समस्या, फसवणुकीकडे कल आणि इतरांना हानी पोहोचवणारी झपाटलेली महत्त्वाकांक्षा असू शकते. बाह्य यश असूनही जातक मनातून अत्यंत असमाधानी असू शकतो.

केतू

भाव	7

सुस्थितीत असल्यास
सप्तम स्थानातील केतू अत्यंत आध्यात्मिक आणि कार्मिकदृष्ट्या महत्त्वपूर्ण भागीदारीची क्षमता देतो, ज्यात दोन्ही जोडीदार या नात्यातून सखोलपणे घडतात. स्वतःच्या अहंकारापासूनची अलिप्तता खरे आध्यात्मिक मीलन घडवते.

पीडित असल्यास
पीडित असल्यास, गंभीर आणि कार्मिक ओझ्याने लादलेल्या वैवाहिक अडचणी, विभक्त होणे, मृत्यू किंवा आध्यात्मिक दुराव्यामुळे जोडीदाराचा वियोग आणि व्यवहार्य व टिकाऊ व्यावसायिक भागीदारी उभारण्यात दीर्घकालीन अडथळे असू शकतात.

अनुकूल मुद्दे

अयनांश · ID	Lahiri
नोड	True
लग्न	मकर
लग्नेश	शनी
चंद्र नक्षत्र	चित्रा
आधारित · लग्नेश	शनी
भाग्यवान दिवस	शनिवार आणि बुधवार अत्यंत अनुकूल आहेत.
भाग्यवान रंग	गडद निळा आणि काळा रंग शुभ आहेत. लाल आणि गुलाबी रंग अशुभ ठरतील.
भाग्यवान अंक	8, 4, 6 आणि 17 हे अत्यंत भाग्यशाली अंक आहेत. प्रत्येक महिन्याची 1, 10 आणि 19 तारीख अशुभ आहे.
रत्न	नीलम (नीलमणी). पर्याय: अॅमेथिस्ट किंवा निळा टोपाझ.
उपरत्न	लाजवर्द (लॅपिस लाझुली), निळा स्पिनेल किंवा आयोलाइट.
शुभ चिन्हे	मकर, कुंभ, वृषभ आणि तूळ अनुकूल आहेत.

शुभ कालावधी
पौष किंवा माघ महिना (मध्य डिसेंबर ते मध्य फेब्रुवारी) अतिशय शुभ आहे. यवनाचार्यांच्या मते वद्य पक्ष, शनिवारची संध्याकाळ ही सर्वाधिक अनुकूल वेळ आहे. प्रत्येक महिन्याच्या 8, 17, 26 तारखा विशेष भाग्यवान आहेत.

अशुभ दिवस	रविवार — सूर्य स्वामी असलेला दिवस, जो या लग्नासाठी प्रमुख शत्रू ग्रह आहे.
अशुभ महिने	दरवर्षीचे एप्रिल आणि मे महिने सामान्यतः कमी अनुकूल असतात. प्रत्येक महिन्याच्या 1, 10, 19 तारखा अशुभ आहेत. लाल आणि गुलाबी रंगाचे कपडे टाळावेत. रविवार अशुभ आहे.
अशुभ तिथी	तृतीया, अष्टमी आणि त्रयोदशी अशुभ आहेत.

लग्न वाचन

लग्न

रास	मकर
रास क्र.	10
अंश	23.8936
नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1
तत्व	पृथ्वी
पद्धती	चर
स्वामी	शनी
आदिरूप	प्रगती दशकांच्या हिशेबात मोजणारे, हळूहळू वर चढत जाणारे

स्वामी

ग्रह	शनी
रास	धनु
भाव	12
बल	सम
वक्री	नाही
अस्तंगत	नाही
बल लेबल	Workable

स्थानस्थ

ग्रह	रास	अंश	बल	वक्री	स्वभाव	परिणाम
राहू	मकर	9.9383	सम	हो	Malefic	महत्त्वाकांक्षा, अपारंपरिक व्यक्तिमत्त्व आणि आवाक्याबाहेरील गोष्टींची लालसा यांची भर घालतो

दृष्टी

ग्रह	भावानुसार	दृष्टी	बल	स्वभाव
गुरु	7	7th aspect	उच्च	शुभ
केतू	7	7th aspect	सम	Malefic

फलादेश

- तुमच्या जन्माच्या वेळी मकर लग्न उदित होत होते, ज्यामुळे शनी तुमच्या कुंडलीचा स्वामी ठरतो; हेच लग्न तो मूळ सूर ठरवते ज्याच्या संदर्भात बाकी सर्व वाचले जाते. पृथ्वी तत्त्वाची चर राशी असल्याने ती असा स्वभाव देते जो शिस्तप्रिय, वास्तववादी आणि वाट पाहण्यास तयार आहे — प्रगती दशकांच्या हिशेबात मोजणारे, हळूहळू वर चढत जाणारे.
- तुमचे जीवन पुढाकारांच्या रूपात पुढे सरकते. तुम्ही गोष्टी सहज सुरू करता, आणि अडचण सुरुवात करण्यात नव्हे, तर पूर्ण करण्यात असते.
- तुमच्या कुंडलीचा स्वामी शनी 12व्या स्थानात धनु राशीत स्थित आहे. यामुळे तुमच्या जीवनाचा गुरुत्वमध्य जे नजरेआड आहे त्यात गुंतलेले: परदेश, एकांत, संशोधन किंवा अंतर्मनाचे जीवन. सामान्य, दृश्य यश तुम्हाला अपेक्षेइतके समाधान देत नाही.
- तेथे त्याची स्थिती कार्यक्षम आहे: धनु राशीत तो प्रभावीपणे कार्य करतो, पण आपल्या सभोवतालचा रंग धारण करतो. तुमच्या स्वत्वाच्या स्वामीला ना बळ मिळते ना अडथळा; तो काय करतो हे बऱ्याच अंशी त्याच्या संगतीवर आणि चालू दशेवर अवलंबून असते.
- याशिवाय, तुमच्या प्रथम स्थानातच राहू आहेत, जे थेट व्यक्तिमत्त्वावर प्रभाव टाकतात. राहू महत्त्वाकांक्षा, अपारंपरिक व्यक्तिमत्त्व आणि आवाक्याबाहेरील गोष्टींची लालसा जोडतो.
- इतर स्थानांतून लग्नावर काय पडते हे पाहिल्यास: गुरू लग्नावर दृष्टी टाकतो, ज्यामुळे त्याचे रक्षण होते — तुमच्या लक्षात येते त्यापेक्षा कितीतरी अधिक वेळा तुम्हाला संशयाचा फायदा मिळतो; केतू त्यावर दृष्टी टाकतो, ज्यामुळे ते कणखर बनते — तुमच्या स्वत्वावर बाहेरून दबाव आहे, आणि त्यामुळे एखाद्या सुखासीन कुंडलीने बनवले असते त्यापेक्षा तुम्ही अधिक सक्षम बनला आहात.

शरीरयष्टी

नक्षत्र	धनिष्ठा

नोंदी
- मकर लग्नाच्या पृथ्वी तत्त्वाचा कल सहसा याकडे असतो: भरीव, सुदृढ शरीरयष्टी जी आपली तंदुरुस्ती टिकवते आणि उशिरा थकते.
- लग्न धनिष्ठा नक्षत्रात उदित आहे, जे सर्वसाधारण चित्र अधिक नेमके करते — वर्तन आणि रूपाची बारीक वैशिष्ट्ये राशीऐवजी त्या नक्षत्राचे अनुसरण करतात.

बलस्थाने
- येथे मकर लग्नाचा स्वतःचा ठसा हीच संपत्ती आहे: स्वभाव सुसंगत आहे, आणि कोणतीही एक स्थिती विशेष उठून दिसत नसली तरी ही सुसंगती आयुष्यभर साठत आणि वाढत जाते.

आव्हाने
- प्रथम स्थानात राहू — महत्त्वाकांक्षा, अपारंपरिक व्यक्तिमत्त्व आणि आवाक्याबाहेरील गोष्टींची लालसा यांची भर घालतो, ज्याचा इतर लोक तुमच्या हेतूपेक्षा अधिक तीव्र अर्थ लावतात.

रत्ने

लग्न	मकर

कार्यात्मक स्वरूप

ग्रह	स्वभाव	भावे	का
शनी	शुभ	1, 2	1ल्या स्थानाचा स्वामी, जे त्रिकोण आहे — तुमच्यासाठी कार्यात्मक शुभ ग्रह
गुरु	Malefic	3, 12	3ऱ्या स्थानाचा स्वामी — तुमच्यासाठी कार्यात्मक पाप ग्रह
मंगळ	सम	4, 11	4थ्या स्थानाचा स्वामी, जे केंद्र आहे — तुमच्यासाठी तटस्थ, फारसा सहायकही नाही आणि हानिकारकही नाही
शुक्र	योगकारक	5, 10	त्रिकोणाचा (5व्या स्थानाचा) आणि केंद्राचा (10व्या स्थानाचा) — दोन्हींचा स्वामी — मकर लग्नाच्या कुंडलीतील सर्वात शुभ ग्रह
बुध	शुभ	6, 9	9व्या स्थानाचा स्वामी, जे त्रिकोण आहे — तुमच्यासाठी कार्यात्मक शुभ ग्रह
चंद्र	सम	7	7व्या स्थानाचा स्वामी, जे केंद्र आहे — तुमच्यासाठी तटस्थ, फारसा सहायकही नाही आणि हानिकारकही नाही
सूर्य	सम	8	तुमच्यासाठी कोणत्याही निर्णायक स्थानाचा स्वामी नाही
राहू	सम	—	कोणत्याही राशीचा स्वामी नाही; आपल्या राशी-स्वामीमार्फत (डिस्पोझिटर) आणि आपल्या स्थानामार्फत कार्य करतो
केतू	सम	—	कोणत्याही राशीचा स्वामी नाही; आपल्या राशी-स्वामीमार्फत (डिस्पोझिटर) आणि आपल्या स्थानामार्फत कार्य करतो

रत्ने

शनी

भूमिका	Life Stone
नियम स्थान	1
उद्देश	तुमच्या लग्नेशाला बळ देते — जीवनशक्ती, आत्मविश्वास आणि स्वत्व
सल्ला दिला	हो

निकाल
शिफारस केलेले. शनी ग्रहाला त्याच्या राशीकडून ना बळ मिळते ना अडथळा, म्हणून तो आपली फळे आपल्या सभोवतालच्या परिस्थितीतून घेतो — आणि नेमकी हीच ती स्थिती आहे जिला स्थिर करण्यासाठी शास्त्रीयदृष्ट्या रत्नाचा वापर केला जातो.

राशीत स्थित	धनु
स्थानात स्थित	12
बल	सम
वक्री	नाही
कार्यात्मक स्वरूप	शुभ
कार्यात्मक कारण	1ल्या स्थानाचा स्वामी, जे त्रिकोण आहे — तुमच्यासाठी कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	7

रत्न	Blue Sapphire
संस्कृत	Neelam
पर्यायी	Amethyst or Lapis Lazuli
धातू	Silver or Iron
बोट	Middle finger
हात	Right
वजन	5–7 carats
दिवस	शनिवार
वेळ	After sunset
मंत्र	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः
जप	23000

शुक्र

भूमिका	Lucky Stone
नियम स्थान	5
उद्देश	तुमच्या 5व्या स्थानाच्या स्वामीला बळ देते — बुद्धी, सर्जनशीलता, संतती आणि कृतीतून तुम्ही घडवलेले भाग्य
सल्ला दिला	हो

निकाल
शिफारस केलेले, आणि हीच ती स्थिती आहे ज्यात ते सर्वाधिक मदत करते. शुक्र कन्या राशीत नीच आहे, म्हणून तो ज्या स्थानाचा स्वामी आहे ते आपल्या क्षमतेपेक्षा कमी कार्य करते; राशी त्याला जे नाकारते ते रत्न पुरवते. मुख्य रत्न कायमस्वरूपी धारण करण्यापूर्वी सहा आठवडे उपरत्नाने सुरुवात करा. हेही लक्षात घ्या की शुक्र तुमच्या कुंडलीचा योगकारक आहे — येथे कोणताही ग्रह निभावू शकेल अशी ही सर्वोत्तम कार्यात्मक भूमिका आहे. तीन रत्नांपैकी हे सर्वप्रथम धारण करा.

राशीत स्थित	कन्या
स्थानात स्थित	9
बल	नीच
वक्री	नाही
कार्यात्मक स्वरूप	योगकारक
कार्यात्मक कारण	त्रिकोणाचा (5व्या स्थानाचा) आणि केंद्राचा (10व्या स्थानाचा) — दोन्हींचा स्वामी — मकर लग्नाच्या कुंडलीतील सर्वात शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	6
रत्न	Diamond
संस्कृत	Heera
पर्यायी	White Sapphire or White Zircon
धातू	Platinum, White Gold or Silver
बोट	Middle finger
हात	Right
वजन	0.5–1.5 carats
दिवस	शुक्रवार
वेळ	At sunrise
मंत्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
जप	16000

बुध

भूमिका	Fortune Stone

नियम स्थान	9
उद्देश	तुमच्या 9व्या स्थानाच्या, म्हणजे भाग्य स्थानाच्या, स्वामीला बळ देते — भाग्य, गुरुजन, श्रद्धा आणि न मागता मिळणारे पाठबळ
सल्ला दिला	हो

निकाल
शिफारस केलेले, मात्र कमी तातडीने. बुध आधीच कन्या राशीत उच्च आहे आणि चांगले कार्य करत आहे; रत्न एखादी दुर्बलता सुधारण्याऐवजी आधीपासून असलेल्या बळाला अधिक धार देते. लहान रत्न पुरेसे आहे.

राशीत स्थित	कन्या
स्थानात स्थित	9
बल	उच्च
वक्री	नाही
कार्यात्मक स्वरूप	शुभ
कार्यात्मक कारण	9व्या स्थानाचा स्वामी, जे त्रिकोण आहे — तुमच्यासाठी कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	4
रत्न	Emerald
संस्कृत	Panna
पर्यायी	Green Onyx or Peridot
धातू	Gold
बोट	Little finger
हात	Right
वजन	3–6 carats
दिवस	बुधवार
वेळ	At sunrise
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
जप	9000

भाग्य रत्न

भूमिका	Fortune Stone
ग्रह	बुध
नियम स्थान	9
उद्देश	तुमच्या 9व्या स्थानाच्या, म्हणजे भाग्य स्थानाच्या, स्वामीला बळ देते — भाग्य, गुरुजन, श्रद्धा आणि न मागता मिळणारे पाठबळ
सल्ला दिला	हो

निकाल
शिफारस केलेले, मात्र कमी तातडीने. बुध आधीच कन्या राशीत उच्च आहे आणि चांगले कार्य करत आहे; रत्न एखादी दुर्बलता सुधारण्याऐवजी आधीपासून असलेल्या बळाला अधिक धार देते. लहान रत्न पुरेसे आहे.

राशीत स्थित	कन्या
स्थानात स्थित	9
बल	उच्च
वक्री	नाही
कार्यात्मक स्वरूप	शुभ
कार्यात्मक कारण	9व्या स्थानाचा स्वामी, जे त्रिकोण आहे — तुमच्यासाठी कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	4

रत्न	Emerald
संस्कृत	Panna
पर्यायी	Green Onyx or Peridot
धातू	Gold
बोट	Little finger
हात	Right
वजन	3–6 carats
दिवस	बुधवार
वेळ	At sunrise
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
जप	9000

तर्क

- तुमचे 9वे स्थान — भाग्य, शास्त्रीयदृष्ट्या भाग्याचे स्थान — याचा स्वामी बुध आहे. सर्व उपायात्मक रत्नांपैकी, 9व्या स्थानाच्या स्वामीशी जोडलेले रत्न पारंपरिकपणे क्षमतेसाठी नव्हे तर भाग्यासाठी धारण केले जाते: ते तुमच्याकडे जे येते त्यावर कार्य करते, तुम्ही जे निर्माण करता त्यावर नव्हे.
- तुमच्या कुंडलीत बुध 9व्या स्थानात कन्या राशीत आहे, आणि भाग्य प्रत्यक्षात इथूनच येते. त्या स्थानाचे कारकत्व हे माध्यम म्हणून वाचा — तुमच्या आयुष्यात पाठबळ सहसा त्याच दिशेने येते.
- बुध उच्च आहे, म्हणून 9व्या स्थानाला आधीच चांगले पाठबळ आहे. रत्न दुरुस्तीसाठी नव्हे तर टिकवून ठेवण्यासाठी धारण केले जाते, आणि माफक वजन पुरेसे आहे.

दानधर्म	बुधवारी हिरवे मूग, हिरवे वस्त्र आणि पुस्तके
देवता	Vishnu (and Lord Ganesha)

टाळा

ग्रह	रत्न	संस्कृत	कारण
गुरु	Yellow Sapphire	Pukhraj	गुरू 3ऱ्या स्थानाचा स्वामी आहे — तुमच्यासाठी कार्यात्मक पाप ग्रह. पुष्कराज धारण केल्याने त्याचा प्रभाव आणखी वाढेल.

अनुकूल मुद्दे

संख्या	5, 6, 8
संख्या का	तुमच्या लग्नाचा स्वामी (शनी) आणि भाग्याच्या 9व्या स्थानाचा स्वामी (बुध) यांच्यावरून, तुमच्या कुंडलीतील इतर कार्यात्मक शुभ ग्रहांसह, निवडलेले.
जन्म क्रमांक	9
भाग्य अंक	2

दिवस

बुधवार · शुक्रवार · शनिवार

दिवस का	त्याच ग्रहांच्या अधिपत्याखालील वार — कार्याची सुरुवात करण्याचे स्वाभाविक दिवस.

रंग

dark blue, black and charcoal · Green and turquoise

टाळायचे रंग	Yellow and gold
दिशा	दक्षिण

दिशा का
मकर लग्नाची शास्त्रीय दिशा. याला नियम न मानता केवळ समसमान स्थितीत निर्णय करणारा संकेत माना — जिथे तुमच्यासाठी स्थलांतर अहवालाची गणना केली गेली आहे, तिथे त्याच्या क्रमवार दिशा कुंडलीच्या कितीतरी अधिक भागावर आधारित आहेत आणि त्यांनाच प्राधान्य मिळायला हवे.

धातू	Iron or Steel
देवता	Vishnu (and Lord Ganesha)
योगकारक	शुक्र
योगकारक टीप	शुक्र हा मकर लग्नाचा योगकारक आहे — त्याला बळ देणे हे तुमच्यासाठी उपलब्ध इतर कोणत्याही एकल उपायापेक्षा अधिक सहायक ठरते.
तत्व	पृथ्वी
चंद्र रास	कन्या
चंद्र नक्षत्र	चित्रा
दानधर्म	बुधवारी हिरवे मूग, हिरवे वस्त्र आणि पुस्तके
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

नियमावली
- नैसर्गिक आणि प्रक्रिया न केलेलेच रत्न खरेदी करा. तापवलेले किंवा भराव केलेले रत्न ही केवळ शोभेची वस्तू असते; शास्त्रीय परंपरेनुसार त्यात कोणताही उपायात्मक प्रभाव नसतो, आणि बाजारातील बहुतेक रत्नांवर प्रक्रिया केलेली असते.
- खरेदीपूर्वी रत्नाचे वजन आणि मूळ स्थान प्रमाणित करून घ्या, आणि प्रमाणपत्र जपून ठेवा.
- पहिल्यांदा धारण करण्यापूर्वी रत्न ऊर्जित करा: रात्रभर कच्च्या दुधात किंवा गंगाजलात भिजत ठेवा, नंतर ग्रहाच्या स्वतःच्या वारी त्या ग्रहाचा मंत्र सांगितलेल्या संख्येइतका जपा.
- ते सांगितलेल्या दिवशी आणि सांगितलेल्या बोटात, सांगितलेल्या वेळेत (होरा) धारण करा, आणि रत्न त्वचेला स्पर्श करेल अशा प्रकारे जडवून घ्या — बंदिस्त जडणी केवळ शोभेची असते.
- कोणत्याही नव्या रत्नाचे मूल्यमापन करण्यापूर्वी त्याला सहा ते आठ आठवडे द्या, आणि धारण केल्यानंतर झोप, स्वभाव किंवा आरोग्य सातत्याने बिघडत असेल तर ते लगेच काढून टाका.
- परस्पर शत्रू असलेल्या ग्रहांची दोन रत्ने कधीही एकत्र धारण करू नका — सर्वात सामान्य उदाहरण म्हणजे नीलमसोबत माणिक किंवा मोती.
- यापैकी काहीही सल्लामसलतीला पर्याय नाही. रत्न कुंडलीसाठी आणि त्या व्यक्तीच्या आयुष्यातील एका विशिष्ट काळासाठी निवडले जाते; यापैकी कुंडलीचा भाग हे पान गणना करू शकते.

रुद्राक्ष

शिफारसी

Ek Mukhi (1 Face)

मुखी	1
ग्रह	सूर्य
देवता	Lord Shiva (Supreme Consciousness)
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करण्याचा दिवस	रविवार
धातू	Gold
रंग	Brown
दुर्मिळता	Rare

फायदे
- नेतृत्वगुण, आत्मविश्वास आणि मनाची स्पष्टता वाढवते.
- अहंकार दूर करते आणि धारण करणाऱ्याला परम चेतनेशी जोडते.
- शक्ती, अधिकार आणि आध्यात्मिक मुक्ती (मोक्ष) प्रदान करते.
- हृदय आणि उजव्या डोळ्याशी संबंधित आजारांवर प्रभावी.

- राजकारणी, CEO आणि आध्यात्मिक नेत्यांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	दुर्बल सूर्य, मेष/सिंह लग्न किंवा सिंह राशीतील चंद्र असलेल्या लोकांसाठी योग्य. नेतृत्वाच्या पदांवर असलेल्यांसाठी लाभदायक.

सावधगिरी
अत्यंत प्रभावी; धारण करण्यापूर्वी पात्र ज्योतिषाचा सल्ला घ्या. पारंपरिकपणे लॉकेट (पेंडंट) म्हणून धारण केले जाते.

कारणे	कुंडलीत सूर्य निर्बल किंवा पीडित आहे

Do Mukhi (2 Face)

मुखी	2
ग्रह	चंद्र
देवता	Ardhanarishwara (Shiva-Shakti Unity)
मंत्र	Om Namah
धारण करण्याचा दिवस	सोमवार
धातू	Silver
रंग	Brown
दुर्मिळता	Common

फायदे
- नातेसंबंधांत एकता, सलोखा आणि भावनिक संतुलन यांना चालना देते.
- चिंता, भावनिक अस्थिरता आणि मानसिक अस्वस्थता कमी करते.
- नातेसंबंधांना बळ देते — विवाह, कुटुंब, व्यावसायिक भागीदारी.
- डावा डोळा, मूत्रपिंड आणि पचनाच्या तक्रारींशी संबंधित आजारांवर लाभदायक.
- दांपत्ये, समुपदेशक आणि भावनिक आव्हाने असलेल्या लोकांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	दुर्बल चंद्र, कर्क लग्न किंवा अशांत भावनिक जीवन असलेल्या लोकांसाठी योग्य.

सावधगिरी
जोडीने धारण करणे सर्वोत्तम; द्वैत आणि एकत्वाचे प्रतीक आहे.

कारणे	कुंडलीत चंद्र निर्बल किंवा पीडित आहे

Teen Mukhi (3 Face)

मुखी	3
ग्रह	मंगळ
देवता	अग्निदेव आणि भगवान ब्रह्मा
मंत्र	Om Kleem Namah
धारण करण्याचा दिवस	मंगळवार
धातू	Gold or Copper
रंग	Brown
दुर्मिळता	Common

फायदे
- कर्मचक्र आणि पूर्वजन्मीच्या ओझ्यापासून मुक्त करते.
- ऊर्जा, धैर्य, महत्त्वाकांक्षा आणि आत्मविश्वास वाढवते.
- नैराश्य, न्यूनगंड आणि आत्मसंशय कमी करते.
- रक्तविकार, ताप आणि पचनाच्या तक्रारींवर लाभदायक.
- मंगळ दोष किंवा दुर्बल मंगळ असलेल्यांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	मेष/वृश्चिक लग्न, दुर्बल मंगळ किंवा मंगळाशी संबंधित समस्यांनी त्रस्त असलेल्यांसाठी योग्य.

सावधगिरी
स्वभाव अत्यंत आक्रमक असल्यास टाळा; हा मणी मंगळाची ऊर्जा आणखी वाढवतो.

कारणे	अंकशास्त्रीय मूलांक 9 आहे (ग्रह: मंगळ)

Chaar Mukhi (4 Face)

मुखी	4
ग्रह	बुध
देवता	Lord Brahma and Goddess Saraswati
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करण्याचा दिवस	बुधवार
धातू	Gold
रंग	Brown
दुर्मिळता	Common

फायदे
- बुद्धी, स्मरणशक्ती, वाक्चातुर्य, संवाद कौशल्य आणि सर्जनशीलता वाढवते.
- मनाचा जडपणा दूर करते आणि एकाग्रता सुधारते.
- विद्यार्थी, लेखक, शिक्षक आणि सार्वजनिक वक्ते यांच्यासाठी लाभदायक.
- तोतरेपणा, मानसिक विकार आणि अर्धांगवायू यांतून सावरण्यास मदत करते.
- शिक्षण, संवाद आणि सर्जनशील क्षेत्रांतील लोकांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	मिथुन/कन्या लग्न, दुर्बल बुध किंवा संवादाशी संबंधित व्यवसायांतील लोकांसाठी योग्य.

सावधगिरी
सर्वोत्तम फळासाठी हे स्वच्छ ठेवा आणि नियमितपणे ऊर्जित करा.

कारणे	चंद्र राशीचा स्वामी बुध आहे (चंद्र कन्या राशीत), कुंडलीत बुध निर्बल किंवा पीडित आहे

Paanch Mukhi (5 Face)

मुखी	5
ग्रह	गुरु
देवता	कालाग्नी (काळ आणि अग्नीचे स्वामी) / पंचानन शिव
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करण्याचा दिवस	गुरुवार
धातू	Gold
रंग	Brown
दुर्मिळता	Very Common

फायदे
- सर्वाधिक बहुउपयोगी आणि सर्वांसाठी लाभदायक रुद्राक्ष.
- आरोग्य, शांती, विवेक, ज्ञान आणि समृद्धी यांना चालना देते.
- रक्त शुद्ध करते आणि रक्तदाब नियंत्रित करते.
- गुरूचे अशुभ प्रभाव कमी करते आणि सकारात्मक गुण वाढवते.
- सर्वांसाठी योग्य — एकूण कल्याण आणि आध्यात्मिक प्रगतीला चालना देते.

कोणी धारण करावे	सार्वत्रिक — सर्वांसाठी योग्य. धनु/मीन लग्न किंवा दुर्बल गुरू असलेल्यांसाठी विशेषतः लाभदायक.

सावधगिरी
सर्वाधिक धारण केला जाणारा, आणि याचे अस्सल नमुने सर्वात सहज मिळतात.

कारणे
- सध्याचा विंशोत्तरी दशा स्वामी गुरू आहे
- 5 मुखी रुद्राक्ष सर्वांसाठी लाभदायक आहे — तो गुरू आणि एकूण कल्याणाचा कारक आहे.

Chhe Mukhi (6 Face)

मुखी	6
ग्रह	शुक्र
देवता	Lord Kartikeya (Commander of Devas)
मंत्र	Om Hreem Hum Namah
धारण करण्याचा दिवस	शुक्रवार
धातू	Silver
रंग	Brown
दुर्मिळता	Common

फायदे
- ऐषआराम, सौंदर्य, प्रणय आणि भौतिक सुखसोयी देते.
- कलात्मक क्षमता, इच्छाशक्ती आणि स्थिरता वाढवते.
- प्रजनन आरोग्य आणि डोळ्यांच्या आजारांवर लाभदायक.
- आळस दूर करते आणि सर्जनशील कार्यांत एकाग्रता आणते.
- कलाकार, संगीतकार, डिझायनर आणि प्रेमाच्या शोधात असलेल्यांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	वृषभ/तूळ लग्न, दुर्बल शुक्र किंवा नातेसंबंध आणि सर्जनशीलतेत अडचणी अनुभवणाऱ्या लोकांसाठी योग्य.

सावधगिरी
पारंपरिकपणे सोमवारी किंवा शनिवारी उजव्या दंडावर किंवा लॉकेट म्हणून धारण केले जाते.

कारणे	सूर्य राशीचा स्वामी शुक्र आहे (सूर्य तूळ राशीत), कुंडलीत शुक्र निर्बल किंवा पीडित आहे

Saat Mukhi (7 Face)

मुखी	7
ग्रह	शनी
देवता	अनंग (प्रेमाची देवता) आणि महालक्ष्मी
मंत्र	Om Hum Namah
धारण करण्याचा दिवस	शनिवार
धातू	Silver or Iron
रंग	Brown
दुर्मिळता	Common

फायदे
- सौभाग्य आणते, दारिद्र्य दूर करते आणि समृद्धी आकर्षित करते.
- साडेसातीसह शनीचे अशुभ प्रभाव कमी करते.
- आर्थिक स्थिती, धन आणि व्यावसायिक समृद्धी वाढवते.
- जुनाट आजार आणि हाडांशी संबंधित विकारांवर लाभदायक.
- आर्थिक अडचणी किंवा शनी-पीडेचा सामना करणाऱ्यांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	मकर/कुंभ लग्न, साडेसातीचा काळ किंवा दुर्बल/पापी शनी असलेल्यांसाठी योग्य.

सावधगिरी
शनी महादशा किंवा साडेसातीदरम्यान विशेषतः शिफारस केलेले.

कारणे	लग्नेश शनी आहे (लग्न: मकर)

Baarah Mukhi (12 Face)

मुखी	12
ग्रह	सूर्य
देवता	भगवान सूर्य (सूर्यदेव — 12 आदित्य)
मंत्र	Om Kraum Sraum Raum Namah
धारण करण्याचा दिवस	रविवार
धातू	Gold
रंग	Brown
दुर्मिळता	Uncommon

फायदे
- सूर्याची ऊर्जा पसरवते — नेतृत्व, तेज आणि आत्मविश्वास.
- सूर्याचे अशुभ प्रभाव दूर करते आणि अधिकारयुक्त गुण वाढवते.
- हृदयरोग, डोळ्यांच्या तक्रारी आणि हाडांच्या विकारांवर लाभदायक.
- समाजात नाव, कीर्ती आणि ओळख मिळवून देते.
- राजकारण, प्रशासन आणि व्यवस्थापन क्षेत्रांतील लोकांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	सिंह लग्न, कुंडलीत दुर्बल किंवा पीडित सूर्य, किंवा नेतृत्वक्षमता वाढवण्याची गरज असलेल्यांसाठी योग्य.

सावधगिरी
धारण करताना सूर्याला जल (अर्घ्य) अर्पण करा. रविवारी धारण करा.

कारणे	कुंडलीत सूर्य निर्बल किंवा पीडित आहे

Terah Mukhi (13 Face)

मुखी	13
ग्रह	शुक्र
देवता	कामदेव (प्रेमाची देवता) आणि भगवान इंद्र
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करण्याचा दिवस	शुक्रवार
धातू	Gold
रंग	Brown
दुर्मिळता	Rare

फायदे
- भौतिक इच्छा, सांसारिक सुख आणि आध्यात्मिक ज्ञान पूर्ण करते.
- प्रभावी व्यक्तिमत्त्व, काम-ऊर्जा आणि प्रणयरम्य आकर्षण वाढवते.
- व्यवसाय, व्यापार आणि वाटाघाटींमध्ये यश मिळवून देते.
- प्रजनन संस्थेच्या तक्रारी आणि संप्रेरक संतुलनासाठी लाभदायक.
- प्रेम, ऐषआराम आणि भौतिक यश हवे असणाऱ्यांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	वृषभ/तूळ लग्न, दुर्बल शुक्र किंवा प्रेम आणि नातेसंबंधांत आव्हानांना तोंड देणाऱ्या लोकांसाठी योग्य.

सावधगिरी
दुर्मीळ आणि प्रभावी — स्पष्ट हेतूने वापरा. नकारात्मक हेतूंसाठी धारण करू नका.

कारणे	सूर्य राशीचा स्वामी शुक्र आहे (सूर्य तूळ राशीत), कुंडलीत शुक्र निर्बल किंवा पीडित आहे

Chaudah Mukhi (14 Face)

मुखी	14
ग्रह	शनी
देवता	भगवान हनुमान आणि भगवान शिव (देव मणी)
मंत्र	Om Namah
धारण करण्याचा दिवस	शनिवार
धातू	Gold
रंग	Brown
दुर्मिळता	Very Rare

फायदे
- याला 'देव मणी' म्हणतात — देवांचे रत्न; अत्यंत दुर्मीळ आणि प्रभावी.
- अंतर्ज्ञान, दूरदृष्टी आणि निर्णयक्षमता वाढवते.
- दुष्ट आत्मे, काळी जादू आणि नकारात्मक प्रभाव यांपासून संरक्षण करते.
- व्यावसायिक निर्णय आणि रणनीतींमध्ये दैवी मार्गदर्शन देते.
- नेते, निर्णयकर्ते आणि आध्यात्मिक मार्गावरील लोकांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	दैवी मार्गदर्शन, संरक्षण आणि अधिक तीव्र अंतर्ज्ञान यांची गरज असलेल्यांसाठी योग्य. आध्यात्मिक साधकांसाठी सर्वोत्तम.

सावधगिरी
अत्यंत दुर्मीळ आणि महाग. खरेदीपूर्वी त्याची अस्सलता काळजीपूर्वक तपासून घ्या.

कारणे	लग्नेश शनी आहे (लग्न: मकर)

एकूण शिफारस केलेले	10

प्राथमिक

मुखी	1
नाव	Ek Mukhi (1 Face)
ग्रह	सूर्य
देवता	Lord Shiva (Supreme Consciousness)
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करण्याचा दिवस	रविवार
धातू	Gold
रंग	Brown
दुर्मिळता	Rare

फायदे
- नेतृत्वगुण, आत्मविश्वास आणि मनाची स्पष्टता वाढवते.
- अहंकार दूर करते आणि धारण करणाऱ्याला परम चेतनेशी जोडते.
- शक्ती, अधिकार आणि आध्यात्मिक मुक्ती (मोक्ष) प्रदान करते.
- हृदय आणि उजव्या डोळ्याशी संबंधित आजारांवर प्रभावी.
- राजकारणी, CEO आणि आध्यात्मिक नेत्यांसाठी आदर्श.

कोणी धारण करावे	दुर्बल सूर्य, मेष/सिंह लग्न किंवा सिंह राशीतील चंद्र असलेल्या लोकांसाठी योग्य. नेतृत्वाच्या पदांवर असलेल्यांसाठी लाभदायक.

सावधगिरी
अत्यंत प्रभावी; धारण करण्यापूर्वी पात्र ज्योतिषाचा सल्ला घ्या. पारंपरिकपणे लॉकेट (पेंडंट) म्हणून धारण केले जाते.

कारणे	कुंडलीत सूर्य निर्बल किंवा पीडित आहे

आधार

लग्न रास	मकर
चंद्र रास	कन्या
सूर्य रास	तूळ
दशा स्वामी	गुरु
जन्मतारीख	1990-10-18

दुर्बळ ग्रह
सूर्य · चंद्र · बुध · शुक्र

योग

शोधले	70

मुख्य

Hamsa Yoga

श्रेणी	Panch Mahapurusha
तपशील	गुरू कर्क राशीत (स्थान 7) — स्वराशी/उच्च, केंद्र.
वर्णन	गुरू एखाद्या केंद्र स्थानात स्वराशीत (धनु/मीन) किंवा उच्च राशीत (कर्क).
परिणाम	ज्ञानी, सद्गुणी, सुंदर, कमळासारखे पाय. राजघराण्याकडून सन्मानित. धर्मनिष्ठ आणि समृद्ध. 82 वर्षे आयुष्य.
शक्ती	Strong
गट	Panch maha

Venus — Yoga Karaka

श्रेणी	Yoga Karaka
तपशील	मकर लग्नासाठी शुक्र स्थान 10 (केंद्र) + 5 (त्रिकोण) यांचा स्वामी आहे. सध्या कन्या राशीत (स्थान 9) स्थित.
वर्णन	एकाच वेळी केंद्र (4थे/7वे/10वे) आणि त्रिकोण (5वे/9वे) या दोन्हींचा स्वामी असलेला ग्रह परम योगकारक बनतो — मकर लग्नासाठी सर्वाधिक शुभ ग्रह.
परिणाम	सर्वात प्रभावी राजयोग देणारा. योगकारकाची दशा चालू असताना जीवन, धन, प्रतिष्ठा यांत प्रचंड उन्नती आणि इच्छांची पूर्ती होते.
शक्ती	Strong
गट	Yoga karakas

राजयोग — चंद्र (7व्या स्थानाचा स्वामी) + शुक्र (5व्या स्थानाचा स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga

तपशील	चंद्र (7व्या स्थानाचा स्वामी, कन्या/H9 मध्ये) आणि शुक्र (5व्या स्थानाचा स्वामी, कन्या/H9 मध्ये) युती आहेत.
वर्णन	7व्या स्थानाच्या (केंद्र) स्वामीचा 5व्या स्थानाच्या (त्रिकोण) स्वामीशी संबंध शास्त्रीय राजयोग निर्माण करतो.
परिणाम	प्रतिष्ठा, अधिकार, धन, मान्यता. त्यांच्या संयुक्त दशा कालावधींमध्ये प्रभावी.
शक्ती	Strong
गट	राजयोग

राजयोग — चंद्र (7व्या स्थानाचा स्वामी) + बुध (9व्या स्थानाचा स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga
तपशील	चंद्र (7व्या स्थानाचा स्वामी, कन्या/H9 मध्ये) आणि बुध (9व्या स्थानाचा स्वामी, कन्या/H9 मध्ये) युती आहेत.
वर्णन	7व्या स्थानाच्या (केंद्र) स्वामीचा 9व्या स्थानाच्या (त्रिकोण) स्वामीशी संबंध शास्त्रीय राजयोग निर्माण करतो.
परिणाम	प्रतिष्ठा, अधिकार, धन, मान्यता. त्यांच्या संयुक्त दशा कालावधींमध्ये प्रभावी.
शक्ती	Strong
गट	राजयोग

राजयोग — शुक्र (10व्या आणि 5व्या स्थानाचा स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga
तपशील	शुक्र 10व्या (केंद्र) आणि 5व्या (त्रिकोण) या दोन्ही स्थानांचा स्वामी आहे. कन्या राशीत (स्थान 9) स्थित.
वर्णन	केंद्र आणि त्रिकोण दोन्हींचा स्वामी असलेला ग्रह प्रभावी राजयोग देतो.
परिणाम	पद, धन, अधिकार यांत उन्नती. त्याच्या दशा/अंतर्दशेत प्रबळ.
शक्ती	Strong
गट	राजयोग

राजयोग — शुक्र (10व्या स्थानाचा स्वामी) + बुध (9व्या स्थानाचा स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga
तपशील	शुक्र (10व्या स्थानाचा स्वामी, कन्या/H9 मध्ये) आणि बुध (9व्या स्थानाचा स्वामी, कन्या/H9 मध्ये) युती आहेत.
वर्णन	10व्या स्थानाच्या (केंद्र) स्वामीचा 9व्या स्थानाच्या (त्रिकोण) स्वामीशी संबंध शास्त्रीय राजयोग निर्माण करतो.
परिणाम	प्रतिष्ठा, अधिकार, धन, मान्यता. त्यांच्या संयुक्त दशा कालावधींमध्ये प्रभावी.
शक्ती	Strong
गट	राजयोग

नीचभंग राजयोग — सूर्य

श्रेणी	Neecha Bhanga Raj Yoga

तपशील
सूर्य तूळ राशीत नीच (H10). भंग: शुक्र (त्या राशीचा स्वामी) चंद्रापासून केंद्रात (चंद्रापासून 1ल्या स्थानात); शनी (तेथे उच्च) चंद्रापासून केंद्रात (चंद्रापासून 4थ्या स्थानात).

वर्णन	सूर्य तूळ राशीत नीच आहे. नीचत्वाचा भंग झाल्यावर ग्रह अत्यंत शक्तिशाली होतो — नीचभंग राजयोग तयार होतो.
परिणाम	बनल्यास: जीवन, धन आणि अधिकारात प्रचंड उन्नती. जातक साध्या सुरुवातीपासून मोठ्या उंचीपर्यंत पोहोचतो, विशेषतः त्या ग्रहाच्या दशेत.
शक्ती	Strong

गट	Neecha bhanga

नीचभंग राजयोग — शुक्र

श्रेणी	Neecha Bhanga Raj Yoga

तपशील
शुक्र कन्या राशीत नीच (H9). भंग: बुध (त्या राशीचा स्वामी आणि तेथे उच्च) चंद्रापासून केंद्रात (चंद्रापासून 1ल्या स्थानात); बुध (त्या राशीचा स्वामी आणि तेथे उच्च) कन्या राशीत त्याच्याशी युतीत.

वर्णन	शुक्र कन्या राशीत नीच आहे. नीचत्वाचा भंग झाल्यावर ग्रह अत्यंत शक्तिशाली होतो — नीचभंग राजयोग तयार होतो.
परिणाम	बनल्यास: जीवन, धन आणि अधिकारात प्रचंड उन्नती. जातक साध्या सुरुवातीपासून मोठ्या उंचीपर्यंत पोहोचतो, विशेषतः त्या ग्रहाच्या दशेत.
शक्ती	Strong
गट	Neecha bhanga

Chandra-Budha Yoga

श्रेणी	Special Yoga
तपशील	चंद्र कन्या राशीत (H9), बुध कन्या राशीत (H9).
वर्णन	चंद्र आणि बुध यांची युती — बुद्धिमान, कल्पनाशील, कलात्मक योग.
परिणाम	तीक्ष्ण बुद्धी, चांगली स्मरणशक्ती, लेखनकौशल्य, भावनिक बुद्धिमत्ता. संवाद क्षेत्रात यश.
शक्ती	Strong
गट	Special yogas

Saraswati Yoga

श्रेणी	Special Yoga
तपशील	बुध (H9), गुरू (H7), शुक्र (H9). सर्व केंद्र/त्रिकोण/2ऱ्या स्थानात ✓. गुरू स्वराशी/उच्च ✓.
वर्णन	बुध, शुक्र, गुरू सर्व केंद्र, त्रिकोण किंवा 2ऱ्या स्थानात; गुरू स्वराशीत/उच्च राशीत.
परिणाम	विद्वान, कवी, तत्त्वज्ञ. देवी सरस्वतीचा आशीर्वाद. ज्ञान, वक्तृत्व, ललित कला.
शक्ती	Strong
गट	Special yogas

Saturn — Lagna Lord

श्रेणी	Yoga Karaka
तपशील	मकर लग्नासाठी लग्नेश शनी. धनु राशीत (स्थान 12) स्थित.

वर्णन
लग्नेश हा नेहमीच कुंडलीतील सर्वांत महत्त्वाचा ग्रह असतो. 1ल्या स्थानाचा (जे केंद्र आणि त्रिकोण दोन्ही आहे) स्वामी असल्यामुळे तो स्वतः, आरोग्य आणि जीवनाची एकूण दिशा दर्शवतो.

परिणाम	बलवान आणि शुभ स्थितीतील लग्नेश आरोग्य, दीर्घायुष्य, चांगले चारित्र्य आणि सर्व प्रयत्नांत यश देतो. दुर्बल लग्नेश आरोग्यविषयक आव्हाने दर्शवतो.
शक्ती	Moderate
गट	Yoga karakas

Gaja-Kesari Dhana variant

श्रेणी	Dhana Yoga
तपशील	गुरू (H7) आणि चंद्र (H9) दोघेही केंद्र/त्रिकोणात.
वर्णन	गुरू आणि चंद्र दोघेही केंद्रात किंवा त्रिकोणात — गजकेसरी योगाचे प्रबळ धन-रूप.
परिणाम	ज्ञान आणि संपर्कांमधून धनवान. लोकप्रिय आणि समृद्ध. सल्लागार/शिक्षकांमार्फत लाभ.

शक्ती	Moderate
गट	Dhana yogas

Voshi Yoga

श्रेणी	Surya Yoga
तपशील	सूर्यापासून 12व्या स्थानात (H9) ग्रह: बुध, शुक्र.
वर्णन	सूर्यापासून 12व्या स्थानात चंद्राव्यतिरिक्त ग्रह.
परिणाम	सत्यवादी, ज्ञानी, सुखी, सन्माननीय, स्थिर. परिश्रमातून ओळख.
शक्ती	Moderate
गट	Surya yogas

Guru-Chandal Yoga (Jupiter+Ketu)

श्रेणी	Special Yoga
तपशील	गुरू कर्क राशीत (H7), केतू H7 मध्ये.
वर्णन	गुरू आणि केतू यांची युती — अपारंपरिक ज्ञान, परदेशी गुरू, वादग्रस्त श्रद्धा.
परिणाम	अपारंपरिक विस्तार, परदेशाशी संबंध, आध्यात्मिक बंडखोरी. मिश्र परिणाम.
शक्ती	मिश्र
गट	Special yogas

आधारभूत

कर्माजीव — 10व्या स्थानात सूर्य (सरकार/अधिकार)

श्रेणी	Karmajiva Yoga
तपशील	सूर्य H10 मध्ये (तूळ).
वर्णन	सूर्य 10व्या स्थानात — सरकार, प्रशासन, राजघराणे किंवा अधिकार यांच्या माध्यमातून करिअर.
परिणाम	सरकारी नोकरी, राजकारण, प्रशासन, वैद्यक (शस्त्रक्रिया), बँकिंग. अधिकार आणि नेतृत्वाची भूमिका.
शक्ती	Strong
गट	Karmajiva yogas

शुभ-कर्माजीव योग — 10व्या स्थानाचा स्वामी शुभ ग्रहासोबत

श्रेणी	Karmajiva Yoga
तपशील	10व्या स्थानाचा स्वामी शुक्र H9 मध्ये बुध यांच्यासोबत.
वर्णन	10व्या स्थानाच्या स्वामीची एखाद्या नैसर्गिक शुभ ग्रहाशी युती — शुभ करिअर योग.
परिणाम	प्रतिष्ठित व्यवसाय, सन्मानित करिअर, कामातून आर्थिक लाभ. धर्मसंमत उपजीविका.
शक्ती	Strong
गट	Karmajiva yogas

अरिष्ट-भंग योग (चंद्रापासून केंद्रात शुभ ग्रह)

श्रेणी	Longevity Extended
तपशील	चंद्रापासून (राशी 6) केंद्रात शुभ ग्रह: बुध, शुक्र.
वर्णन	चंद्रापासून केंद्रात नैसर्गिक शुभ ग्रह — प्रमुख अरिष्ट-भंग.
परिणाम	धोका किंवा बालारिष्ट मोठ्या प्रमाणात कमी होतो. शुभ ग्रह चंद्राचे आणि जातकाचे रक्षण करतो. प्रतिकूल संकेत असूनही आयुष्य पुढे चालू राहते. संरक्षक आणि जीवनदायी.
शक्ती	Strong

गट	Longevity extended

Arishta-Bhanga Yoga (Jupiter Aspects Lagna/Moon)

श्रेणी	Longevity Extended
तपशील	लग्नावर गुरूची दृष्टी: होय; चंद्रावर गुरूची दृष्टी: नाही.
वर्णन	लग्न किंवा चंद्रावर गुरूची दृष्टी जीवघेण्या अरिष्टांचा भंग करते.

परिणाम
गुरूची संरक्षक दृष्टी जीविताला असलेला धोका मोठ्या प्रमाणात कमी करते. बालारिष्ट असले तरी गुरूची दृष्टी दैवी संरक्षण देते. प्रतिकूल योग असूनही जातक टिकून राहतो आणि प्रगती करतो.

शक्ती	Strong
गट	Longevity extended

अरिष्ट-भंग योग (केंद्रात उच्च ग्रह)

श्रेणी	Longevity Extended
तपशील	केंद्रात उच्च ग्रह: गुरू.
वर्णन	केंद्र स्थानातील उच्च ग्रह बालारिष्ट आणि अरिष्ट योगांचा भंग करतो.

परिणाम
केंद्रातील उच्च ग्रहाचे सामर्थ्य जीविताला असलेल्या सर्व धोक्यांवर मात करते. जातक संरक्षित आणि आशीर्वादित असतो. इतर संकेत असूनही दीर्घ निरोगी आयुष्य निश्चित असते.

शक्ती	Strong
गट	Longevity extended

Raja Yoga (L4-L5 in Kendra/Trikona)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
तपशील	चतुर्थेश=मंगळ, पंचमेश=शुक्र केंद्र/त्रिकोणात: होय.
वर्णन	4थ्या आणि 5व्या स्थानाचे स्वामी दोघेही केंद्र किंवा त्रिकोणात (BPHS अध्याय 41).
परिणाम	सुख, शिक्षण आणि बुद्धी एकत्र येतात. मालमत्ता आणि वाहने प्राप्त होतात. संततीमुळे सन्मान मिळतो. विद्वत्तापूर्ण आणि सुखी जीवन.
शक्ती	Strong
गट	Raj yoga extended

सर्वार्थ चिंतामणी राजयोग (केंद्रात गुरू + L9)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
तपशील	गुरू केंद्रात: होय; नवमेश (बुध) केंद्रात किंवा त्रिकोणात: होय.
वर्णन	केंद्रात गुरू आणि 9व्या स्थानाचा स्वामी केंद्र किंवा त्रिकोणात (सर्वार्थ चिंतामणी अध्याय 9).
परिणाम	ज्ञान आणि भाग्य एकत्र येतात. गुरूचे आशीर्वाद करिअरमधील यशाच्या रूपात प्रकट होतात. शिक्षक, सल्लागार, न्यायाधीश किंवा धार्मिक अधिकारी. उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा.
शक्ती	Strong
गट	Raj yoga extended

जैमिनी राजयोग (AK+AmK केंद्र/त्रिकोणात)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
तपशील	आत्मकारक=बुध केंद्र/त्रिकोणात: होय; अमात्यकारक=चंद्र देखील तसेच.
वर्णन	आत्मकारक आणि अमात्यकारक दोघेही केंद्र किंवा त्रिकोणात (जैमिनी पद्धती).
परिणाम	आत्मा आणि करिअरचे कारक दोघेही बलवान. जैमिनीचा सर्वांत प्रभावी राजयोग. व्यक्ती सर्वोच्च नियती साध्य करते. राजकीय किंवा आध्यात्मिक नेतृत्व.

शक्ती	Strong
गट	Raj yoga extended

Jaimini Raja Yoga (AK+AmK Conjunct)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
तपशील	आत्मकारक=बुध याची अमात्यकारक=चंद्र याच्याशी युती: होय.
वर्णन	आत्मकारक आणि अमात्यकारक एकाच स्थानात युतीत (जैमिनी).
परिणाम	आत्मा आणि व्यवसाय पूर्णपणे एकरूप. व्यक्ती स्वाभाविकपणे महानता प्राप्त करते. दृढ एकाग्रता आणि निश्चय सर्वोच्च यशाकडे नेतात.
शक्ती	Strong
गट	Raj yoga extended

Dhana Yoga (L9+L5 Conjunct)

श्रेणी	Dhana Extended
तपशील	नवमेश (बुध) आणि पंचमेश (शुक्र) यांची युती: होय.
वर्णन	9व्या आणि 5व्या स्थानांचे स्वामी एकाच स्थानात एकत्र.
परिणाम	भाग्य आणि बुद्धी एकत्र येऊन धन देतात. सट्टा, संतती आणि पूर्वपुण्य यांतून लाभ. बहुधा तारुण्याच्या सुरुवातीपासूनच श्रीमंत.
शक्ती	Strong
गट	Dhana extended

Parakrama Yoga (Courage)

श्रेणी	Sibling Yogas
तपशील	तृतीयेश (गुरू) केंद्रात स्वराशी/उच्च: होय.
वर्णन	3ऱ्या स्थानाचा स्वामी स्वराशी/उच्च राशीत असून केंद्र स्थानात.
परिणाम	असामान्य धैर्य, पराक्रम आणि उद्यमशीलता. जातक कृतीत धाडसी असतो. पुढाकार घेतो, आव्हानांना थेट सामोरा जातो. वैयक्तिक शौर्यातून यश.
शक्ती	Strong
गट	Sibling yogas

सरस्वती योग (सर्वोच्च ज्ञान आणि कला)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
तपशील	गुरू शुभ स्थानात: होय; शुक्र शुभ स्थानात: होय; बुध शुभ स्थानात: होय.
वर्णन	गुरू, शुक्र, बुध तिन्ही केंद्र, त्रिकोण किंवा 2ऱ्या स्थानात.

परिणाम

असामान्य विद्या, वक्तृत्व, कलात्मक प्रतिभा आणि ज्ञान प्रदान करतो. व्यक्ती कला, विज्ञान आणि साहित्य यांत उत्कृष्ट ठरते. बौद्धिक तेजस्वितेसाठी ओळखली जाते. ज्ञानाशी संबंधित सर्वाधिक शुभ योगांपैकी एक.

शक्ती	Strong
गट	Knowledge skill yogas

ज्योतिषिक योग 1 (ज्योतिषीय प्रतिभा V1)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
तपशील	केंद्रात गुरू: होय; केंद्रात केतू: होय.
वर्णन	गुरू आणि केतू दोघेही केंद्रांत — ज्योतिषीय आणि गूढ ज्ञान.
परिणाम	ज्योतिष, भविष्यकथन आणि गूढ विद्यांची उपजत योग्यता. केतू लपलेल्या आकृतिबंधांचे अंतर्ज्ञानी आकलन देतो; गुरू तात्त्विक चौकट देतो.

शक्ती	Strong
गट	Knowledge skill yogas

काव्यालंकार योग (काव्य आणि साहित्यिक प्रतिभा)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
तपशील	1/5/9 स्थानात शुक्र: होय; 1/5/9 स्थानात बुध: होय.
वर्णन	त्रिकोण स्थानांत शुक्र आणि बुध — काव्य आणि साहित्यातील उत्कृष्टता.

परिणाम
काव्य, सर्जनशील लेखन किंवा साहित्यिक कलांमध्ये असामान्य क्षमता. शुक्र अभिव्यक्तीला सौंदर्य देतो; बुध भाषिक कौशल्य देतो. नामवंत कवी, लेखक किंवा साहित्यिक बनू शकतो.

शक्ती	Strong
गट	Knowledge skill yogas

Shabdhashastra Yoga (Linguistic Mastery)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
तपशील	बुध उच्च: होय; गुरू बलवान: होय.
वर्णन	बुध उच्च, गुरू बलवान — भाषा आणि भाषाशास्त्रावर प्रभुत्व.
परिणाम	भाषा, व्याकरण आणि भाषाशास्त्रावर प्रभुत्व. अनेक भाषा शिकण्याची क्षमता. संवाद, अध्यापन आणि भाषाशास्त्रात उत्कृष्टता.
शक्ती	Strong
गट	Knowledge skill yogas

राज संबंध योग 2 (राजसी संबंध V2)

श्रेणी	Raja Sambandha Yogas
तपशील	नवमेश (बुध) आणि दशमेश (शुक्र) यांची युती: होय.
वर्णन	9व्या आणि 10व्या स्थानांच्या स्वामींची युती — धर्माशी निगडित राजसी संबंध (BPHS 42/2).

परिणाम
व्यक्तीचे भाग्य आणि करिअर सामर्थ्यवान आश्रयदात्यांशी खोलवर गुंफलेले असते. शासन, उच्चकुलीन वर्ग किंवा उच्च प्रतिष्ठेच्या संबंधांतून यश. 9व्या-10व्या स्थानांच्या स्वामींची युती हा स्वतःच एक प्रभावी राजयोगही आहे.

शक्ती	Strong
गट	Raja sambandha yogas

राज संबंध योग 3 (राजसी संबंध V3)

श्रेणी	Raja Sambandha Yogas
तपशील	केंद्र/त्रिकोणात सूर्य: होय; केंद्र/त्रिकोणात गुरू: होय.
वर्णन	सूर्य आणि गुरू दोघेही केंद्र किंवा त्रिकोणात — राजसी सन्मान आणि अधिकार (BPHS 42/3).
परिणाम	प्रभावशाली वर्गांकडून उच्च सन्मान, अधिकार आणि आदर. शुभ स्थितीतील सूर्य आणि गुरू राजकृपा आणि शासकीय मान्यता देतात. व्यक्ती उच्चभ्रू सामाजिक वर्तुळांत वावरते.
शक्ती	Strong
गट	Raja sambandha yogas

Aputra Yoga

श्रेणी	Children Yoga
तपशील	पंचमेश (शुक्र) अशुभ स्थितीत: होय; 5व्या स्थानात पाप ग्रहांचे वर्चस्व: होय.

वर्णन	5व्या स्थानाचा स्वामी दुर्बल स्थितीत, 5व्या स्थानात पाप ग्रहांचे वर्चस्व आणि गुरू त्रिकोणात नाही.
परिणाम	पुत्रसंतती नाही किंवा निपुत्रिकता. मुलांच्या आनंदाशिवाय जगावे लागते. त्याऐवजी आध्यात्मिक भरपाई मिळू शकते. उपाय करण्याचा जोरदार सल्ला.
शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Children yogas

सावधगिरीचा

दरिद्र योग — 1ल्या/2ऱ्या स्थानाचा स्वामी दुःस्थानात

श्रेणी	Daridra Yoga
तपशील	लग्नेश शनी H12 मध्ये (दुःस्थान), द्वितीयेश शनी H12 मध्ये (दुःस्थान).
वर्णन	1ल्या किंवा 2ऱ्या स्थानाचा स्वामी दुःस्थानात (6,8,12) — दारिद्र्यदर्शक योग.
परिणाम	आर्थिक संघर्ष, कर्ज, संपत्ती जमा करण्यात अडचण. पैशासाठी कठोर परिश्रम करावे लागतात.
शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Daridra yogas

Lagna Lord in Dusthana

श्रेणी	Arishta Yoga
तपशील	लग्नेश शनी H12 मध्ये (दुःस्थान).
वर्णन	लग्नेश 6व्या, 8व्या किंवा 12व्या स्थानात स्थित — आरोग्य आणि जीवनशक्तीसंबंधी आव्हाने.
परिणाम	आरोग्याच्या समस्या, परदेश प्रवास किंवा वास्तव्य, आध्यात्मिक शोध, गुप्त शत्रू.
शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Arishta yogas

Graha Yuddha (Planetary War)

श्रेणी	Arishta Yoga
तपशील	ग्रहयुद्धाच्या जोड्या: बुध विरुद्ध शुक्र (1.00°).
वर्णन	एकमेकांपासून 1° च्या आत असलेले दोन ग्रह (सूर्य/चंद्र वगळून) युद्ध करतात — पराभूत ग्रह दुर्बल होतो.
परिणाम	पराभूत ग्रह (कमी शर किंवा कमी अंश असलेला) आपल्या दशेत कमी फळ देतो.
शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Arishta yogas

राजभ्रष्ट योग (उच्च पदावरून पतन)

श्रेणी	Health & Disease Yoga
तपशील	दशमेश (शुक्र) नीच: होय; 10व्या स्थानात पाप ग्रह: सूर्य; लग्नेश दुर्बल: होय.
वर्णन	दशमेश नीच, 10व्या स्थानात पाप ग्रह आणि लग्नेश दुर्बल.

परिणाम

उच्च दर्जा किंवा पदावरून पतन. दैवाची अचानक उलटापालट. एकेकाळी प्रतिष्ठित असलेला जातक शत्रूंमुळे किंवा परिस्थितीमुळे पद गमावतो. खालच्या पातळीपासून पुन्हा उभारणी करावी लागते.

शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Health disease yogas

Dhana Nashta Yoga

श्रेणी	Daridra Yoga — Extended
तपशील	2 क्रमांकाच्या स्थानाचा स्वामी (शनी) H12 मध्ये (दुःस्थान ✓).
वर्णन	L2 6व्या/8व्या/12व्या स्थानात (धनेश दुःस्थानात)
परिणाम	धन आणि कुटुंब स्थानाचा स्वामी पीडित — आर्थिक हानी, कर्ज, कौटुंबिक अडचणी.
शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Daridra extended

Chandala Yoga (Guru-Chandala)

श्रेणी	Daridra Yoga — Extended
तपशील	गुरूची राहूशी युती: नाही; गुरूची केतूशी युती: होय.
वर्णन	गुरूची राहू किंवा केतूशी युती — गुरू-चांडाळ योग.

परिणाम
दूषित ज्ञान किंवा बिघडलेले गुरु-शिष्य संबंध. चुकीच्या गुरूंचे अनुसरण किंवा खोट्या ज्ञानाने दिशाभूल होऊ शकते. योग्य निर्णयक्षमता धूसर होते. धर्मविषयक गोंधळ. गुरूसाठी उपायांची आवश्यकता.

शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Daridra extended

योगज आयु 2 (सुरुवातीच्या बालपणातील धोका, वय 4)

श्रेणी	Yogaristha Yogas
तपशील	लग्नात राहू: होय; 5व्या स्थानात मंगळ: होय.
वर्णन	राहू 1ल्या स्थानात, मंगळ 5व्या स्थानात — सुरुवातीच्या बालपणातील धोक्याचा निर्देशक.

परिणाम
सुरुवातीच्या बालपणातील धोक्याचा शास्त्रीय निर्देशक (वय सुमारे 4). सुरुवातीच्या वर्षांत संरक्षक उपायांची गरज असते. मंगळ-राहू संयोग अंगारक-प्रकारची आव्हाने निर्माण करतो.

शक्ती	आव्हानात्मक
गट	Yogaristha yogas

Khalvata Yoga 3 (Baldness V3)

श्रेणी	Eye-Ear-Speech Doshas
तपशील	1ल्या स्थानात राहू, कोणताही शुभ ग्रह नाही: होय.
वर्णन	कोणत्याही शुभ ग्रहाशिवाय लग्नात राहू — केसांसह असामान्य शारीरिक वैशिष्ट्ये.

परिणाम
असामान्य शारीरिक वैशिष्ट्ये, ज्यात केस गळण्याच्या प्रवृत्तीचाही समावेश आहे. शुभ ग्रहाच्या शमनकारी प्रभावाशिवाय लग्नातील राहू वैशिष्ट्यपूर्ण, असामान्य शारीरिक रूप देऊ शकतो.

शक्ती	मिश्र
गट	Eye ear speech yogas

वगळलेले · मुख्य	0
वगळलेले · आधारभूत	2
वगळलेले · सावधगिरीचा	0

टीप
या कुंडलीवर एक हजाराहून अधिक शास्त्रीय योगांची चाचणी घेतली गेली आणि 70 जुळले. ही संख्या भाग्याचे मोजमाप नाही — बहुतेक कुंडल्या अनेक शेकडो योगांशी जुळतात, कारण शास्त्रीय साहित्य जवळजवळ प्रत्येक ग्रहस्थितीसाठी एखाद्या योगाचे नाव देते. पुढे फक्त महत्त्वाचे योग दिले आहेत, सर्वात प्रबळ आधी.

सावधगिरीची टीप
शास्त्रीय ग्रंथ प्रतिकूल योगांचा उल्लेख अनुकूल योगांइतक्याच सहजतेने करतात, आणि एखादी कुंडली जवळजवळ नेहमीच दोन्हींपैकी काहींशी जुळते — ही कुंडली दीर्घायुष्य आणि अल्पायुष्य या दोन्हींच्या योगांशी एकाच वेळी जुळते. यांना अशा प्रवृत्ती माना ज्यांना कुंडलीचा उर्वरित भाग एकतर आधार देतो किंवा रद्द करतो; स्वतंत्रपणे त्यांना कधीही निर्णय मानू नका. भंग (रद्द होणे) हा अपवाद नसून नियम आहे, आणि त्याचे मूल्यमापन करणे हेच ज्योतिषाचे काम आहे.

ग्रह फळ

लग्न	मकर

ग्रह

सूर्य

रास	तूळ
भाव	10
अंश	0.995
नक्षत्र	चित्रा
पद	3
बल	नीच
वक्री	नाही
अस्तंगत	नाही
नियम	8
कारक	आत्मकारक, आत्म्याचा कारक
सूचित करते	आत्मा, वडील, अधिकार आणि जीवनशक्ती
सोबती	—
दृष्टीने पाहिलेले	—
शक्ती	30
बल लेबल	Weak

फलादेश
- सूर्य हा आत्मा, वडील, अधिकार आणि जीवनशक्ती यांचा द्योतक आहे, आणि तो आत्मकारक, आत्म्याचा कारक आहे. तुमच्या कुंडलीत तो तूळ राशीत, 10व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो आपल्या सर्वांत दुर्बल राशीत आहे, आणि मुत्सद्दीपणे आणि तुलनात्मक दृष्टीने कार्य करतो. येथे तो प्रवाहाच्या विरुद्ध काम करतो. यामुळे त्याचे कारकत्व रद्द होत नाही — याचा अर्थ ती फळे हळूहळू साकार होतात आणि बहुधा आयुष्याच्या पूर्वार्धापेक्षा उत्तरार्धात अधिक चांगली असतात.
- 10व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: करिअर, प्रतिष्ठा, वरिष्ठ आणि सार्वजनिक कर्तव्य. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- सूर्य तुमच्यासाठी 8व्या स्थानाचाही स्वामी आहे, ज्यामुळे तो उलथापालथ यांसाठी जबाबदार ठरतो. त्यामुळे वर सांगितलेली त्याची स्थिती जितकी त्याच्याविषयी सांगते, तितकीच त्या क्षेत्राविषयीही सांगते.

निकाल
सूर्य दुर्बल आहे (30/100). येथे त्याची कारकत्वे सहज मिळत नाहीत, ती घडवावी लागतात, आणि त्याच्या दशांकडून आयत्या लाभांची अपेक्षा करण्याऐवजी त्यांच्या अनुषंगाने नियोजन करावे.

चंद्र

रास	कन्या
भाव	9
अंश	27.8767
नक्षत्र	चित्रा
पद	2

बल	सम
वक्री	नाही
अस्तंगत	हो
नियम	7
कारक	मनःकारक, मनाचा कारक
सूचित करते	मन, आई, भावना आणि जनसामान्य

सोबती

बुध शुक्र

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
शनी	10th	Malefic
राहू	9th	Malefic

शक्ती	49
बल लेबल	Under pressure

फलादेश

- चंद्र हा मन, आई, भावना आणि जनसामान्य यांचा द्योतक आहे, आणि तो मनःकारक, मनाचा कारक आहे. तुमच्या कुंडलीत तो कन्या राशीत, 9व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो कोणत्याही विशेष साहाय्याशिवाय किंवा अडथळ्याशिवाय आहे, आणि अचूकपणे आणि चिकित्सक दृष्टीने कार्य करतो. तो काय देतो हे बऱ्याच अंशी त्याच्या संगतीवर आणि त्याच्या दशांवर अवलंबून असते.
- 9व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: भाग्य, वडील, गुरू, श्रद्धा आणि लांबचे प्रवास. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- चंद्र तुमच्यासाठी 7व्या स्थानाचाही स्वामी आहे, ज्यामुळे तो विवाह यांसाठी जबाबदार ठरतो. त्यामुळे वर सांगितलेली त्याची स्थिती जितकी त्याच्याविषयी सांगते, तितकीच त्या क्षेत्राविषयीही सांगते.
- चंद्र अस्त आहे — सूर्याच्या दाहक मर्यादेच्या आत. त्याची कारकत्वे तरीही कार्य करतात, पण दुसऱ्या कोणाच्या तरी अधिकाराखाली किंवा सार्वजनिक नजरेआड, आणि तो जितक्या लवकर व्हायला हवे त्यापेक्षा उशिरा पूर्ण क्षमतेने प्रकट होतो.
- तो 9व्या स्थान बुध आणि शुक्र यांच्यासोबत वाटून घेतो, म्हणून त्या सर्वांचा एकत्र विचार केला जातो — येथे त्यांपैकी कोणताही एकटा आपले फल स्पष्टपणे देत नाही.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: शनी आणि राहू त्यावर दबाव टाकतात.

निकाल

चंद्र दबावाखाली आहे (49/100). येथे त्याची कारकत्वे सहज मिळत नाहीत, ती घडवावी लागतात, आणि त्याच्या दशांकडून आयत्या लाभांची अपेक्षा करण्याऐवजी त्यांच्या अनुषंगाने नियोजन करावे.

मंगळ

रास	वृषभ
भाव	5
अंश	20.7878
नक्षत्र	रोहिणी
पद	4
बल	सम
वक्री	नाही
अस्तंगत	नाही
नियम	4, 11
कारक	the Bhratrikaraka, significator of brothers
सूचित करते	धैर्य, भावंडे, जमीन, ऊर्जा आणि संघर्ष
सोबती	—

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
राहू	5th	Malefic

शक्ती	61
बल लेबल	Workable

फलादेश

- मंगळ हा धैर्य, भावंडे, जमीन, ऊर्जा आणि संघर्ष यांचा द्योतक आहे, आणि तो भ्रातृकारक, भावांचा कारक आहे. तुमच्या कुंडलीत तो वृषभ राशीत, 5व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो कोणत्याही विशेष साहाय्याशिवाय किंवा अडथळ्याशिवाय आहे, आणि स्थिरपणे आणि मालकीहक्काच्या भावनेने कार्य करतो. तो काय देतो हे बऱ्याच अंशी त्याच्या संगतीवर आणि त्याच्या दशांवर अवलंबून असते.
- 5व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: संतती, बुद्धी, सर्जनशीलता आणि सट्टा. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- मंगळ तुमच्यासाठी 4थ्या आणि 11व्या स्थानांचाही स्वामी आहे, ज्यामुळे तो घर आणि लाभ यांसाठी जबाबदार ठरतो. त्यामुळे वर सांगितलेली त्याची स्थिती जितकी त्याच्याविषयी सांगते, तितकीच त्या क्षेत्रांविषयीही सांगते.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: राहू त्यावर दबाव टाकतो.

निकाल	मंगळ कार्यक्षम आहे (61/100). त्याच्या दशा चालू असताना तो फल देतो, अन्यथा तो साधारण राहतो.

बुध

रास	कन्या
भाव	9
अंश	28.34
नक्षत्र	चित्रा
पद	2
बल	उच्च
वक्री	नाही
अस्तंगत	हो
नियम	6, 9
कारक	the Buddhikaraka, significator of intellect
सूचित करते	intelligence, speech, commerce and analysis

सोबती

चंद्र · शुक्र

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
शनी	10th	Malefic
राहू	9th	Malefic

शक्ती	77
बल लेबल	Strong

फलादेश

- बुध हा बुद्धी, वाणी, व्यापार आणि विश्लेषण यांचा द्योतक आहे, आणि तो बुद्धिकारक, बुद्धीचा कारक आहे. तुमच्या कुंडलीत तो कन्या राशीत, 9व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो आपल्या सर्वाधिक बलवान स्थितीत आहे, आणि अचूकपणे आणि चिकित्सक दृष्टीने कार्य करतो. येथे तो मुक्तपणे कार्य करतो आणि उदारपणे फळे देतो — ही तुमच्या कुंडलीतील चांगल्या स्थितींपैकी एक आहे.

- 9व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: भाग्य, वडील, गुरू, श्रद्धा आणि लांबचे प्रवास. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- बुध तुमच्यासाठी 6व्या आणि 9व्या स्थानांचाही स्वामी आहे, ज्यामुळे तो काम आणि भाग्य यांसाठी जबाबदार ठरतो. त्यामुळे वर सांगितलेली त्याची स्थिती जितकी त्याच्याविषयी सांगते, तितकीच त्या क्षेत्रांविषयीही सांगते.
- बुध अस्त आहे — सूर्याच्या दाहक मर्यादेच्या आत. त्याची कारकत्वे तरीही कार्य करतात, पण दुसऱ्या कोणाच्या तरी अधिकाराखाली किंवा सार्वजनिक नजरेआड, आणि तो जितक्या लवकर व्हायला हवे त्यापेक्षा उशिरा पूर्ण क्षमतेने प्रकट होतो.
- तो 9व्या स्थान चंद्र आणि शुक्र यांच्यासोबत वाटून घेतो, म्हणून त्या सर्वांचा एकत्र विचार केला जातो — येथे त्यांपैकी कोणताही एकटा आपले फल स्पष्टपणे देत नाही.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: शनी आणि राहू त्यावर दबाव टाकतात.

निकाल	बुध तुमच्या कुंडलीत बलवान आहे (77/100). त्याच्या कारकत्वांवर विसंबून राहा — ही तुमच्या बाजूने काम करणाऱ्या स्थितींपैकी एक आहे.

गुरु

रास	कर्क
भाव	7
अंश	17.0494
नक्षत्र	आश्लेषा
पद	1
बल	उच्च
वक्री	नाही
अस्तंगत	नाही
नियम	3, 12
कारक	पुत्रकारक आणि धनकारक दोन्ही — संततीसाठी आणि धनासाठी
सूचित करते	ज्ञान, धन, संतती, धर्म आणि सल्ला
सोबती	केतू

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
राहू	7th	Malefic

शक्ती	85
बल लेबल	Very strong

फलादेश

- गुरू हा ज्ञान, धन, संतती, धर्म आणि सल्ला यांचा द्योतक आहे, आणि तो पुत्रकारक आणि धनकारक दोन्ही — संततीसाठी आणि धनासाठी आहे. तुमच्या कुंडलीत तो कर्क राशीत, 7व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो आपल्या सर्वाधिक बलवान स्थितीत आहे, आणि संरक्षक वृत्तीने आणि भावुकतेने कार्य करतो. येथे तो मुक्तपणे कार्य करतो आणि उदारपणे फळे देतो — ही तुमच्या कुंडलीतील चांगल्या स्थितींपैकी एक आहे.
- 7व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: विवाह, भागीदारी, ग्राहक आणि जनसामान्य. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- गुरू तुमच्यासाठी 3ऱ्या आणि 12व्या स्थानांचाही स्वामी आहे, ज्यामुळे तो पुढाकार आणि व्यय यांसाठी जबाबदार ठरतो. त्यामुळे वर सांगितलेली त्याची स्थिती जितकी त्याच्याविषयी सांगते, तितकीच त्या क्षेत्रांविषयीही सांगते.
- तो 7व्या स्थान केतू यांच्यासोबत वाटून घेतो, म्हणून दोघांचा एकत्र विचार केला जातो — येथे दोघांपैकी कोणताही एकटा आपले फल स्पष्टपणे देत नाही.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: राहू त्यावर दबाव टाकतो.

निकाल	गुरू तुमच्या कुंडलीत अत्यंत बलवान आहे (85/100). त्याच्या कारकत्वांवर विसंबून राहा — ही तुमच्या बाजूने काम करणाऱ्या स्थितींपैकी एक आहे.

शुक्र

रास	कन्या
भाव	9
अंश	27.3406
नक्षत्र	चित्रा
पद	2
बल	नीच
वक्री	नाही
अस्तंगत	हो
नियम	5, 10
कारक	कलत्रकारक, जोडीदाराचा कारक
सूचित करते	प्रेम, सुखसोयी, सौंदर्य, वाहने आणि जोडीदार

सोबती

चंद्र | बुध

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
शनी	10th	Malefic
राहू	9th	Malefic

शक्ती	30
बल लेबल	Weak

फलादेश

- शुक्र हा प्रेम, सुखसोयी, सौंदर्य, वाहने आणि जोडीदार यांचा द्योतक आहे, आणि तो कलत्रकारक, जोडीदाराचा कारक आहे. तुमच्या कुंडलीत तो कन्या राशीत, 9व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो आपल्या सर्वांत दुर्बल राशीत आहे, आणि अचूकपणे आणि चिकित्सक दृष्टीने कार्य करतो. येथे तो प्रवाहाच्या विरुद्ध काम करतो. यामुळे त्याचे कारकत्व रद्द होत नाही — याचा अर्थ ती फळे हळूहळू साकार होतात आणि बहुधा आयुष्याच्या पूर्वार्धापेक्षा उत्तरार्धात अधिक चांगली असतात.
- 9व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: भाग्य, वडील, गुरू, श्रद्धा आणि लांबचे प्रवास. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- शुक्र तुमच्यासाठी 5व्या आणि 10व्या स्थानांचाही स्वामी आहे, ज्यामुळे तो संतती आणि करिअर यांसाठी जबाबदार ठरतो. त्यामुळे वर सांगितलेली त्याची स्थिती जितकी त्याच्याविषयी सांगते, तितकीच त्या क्षेत्रांविषयीही सांगते.
- शुक्र अस्त आहे — सूर्याच्या दाहक मर्यादेच्या आत. त्याची कारकत्वे तरीही कार्य करतात, पण दुसऱ्या कोणाच्या तरी अधिकाराखाली किंवा सार्वजनिक नजरेआड, आणि तो जितक्या लवकर व्हायला हवे त्यापेक्षा उशिरा पूर्ण क्षमतेने प्रकट होतो.
- तो 9व्या स्थान चंद्र आणि बुध यांच्यासोबत वाटून घेतो, म्हणून त्या सर्वांचा एकत्र विचार केला जातो — येथे त्यांपैकी कोणताही एकटा आपले फल स्पष्टपणे देत नाही.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: शनी आणि राहू त्यावर दबाव टाकतात.

निकाल

शुक्र दुर्बल आहे (30/100). येथे त्याची कारकत्वे सहज मिळत नाहीत, ती घडवावी लागतात, आणि त्याच्या दशांकडून आयत्या लाभांची अपेक्षा करण्याऐवजी त्यांच्या अनुषंगाने नियोजन करावे.

शनी

रास	धनु
भाव	12
अंश	25.4922
नक्षत्र	पूर्वाषाढा
पद	4
बल	सम

वक्री	नाही
अस्तंगत	नाही
नियम	1, 2
कारक	the Ayushkaraka, significator of longevity
सूचित करते	शिस्त, श्रम, आयुष्य, विलंब आणि सहनशक्ती
सोबती	—

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
मंगळ	8th	Malefic

शक्ती	51
बल लेबल	Workable

फलादेश

- शनी हा शिस्त, श्रम, आयुष्य, विलंब आणि सहनशक्ती यांचा द्योतक आहे, आणि तो आयुष्कारक, आयुष्याचा कारक आहे. तुमच्या कुंडलीत तो धनु राशीत, 12व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो कोणत्याही विशेष साहाय्याशिवाय किंवा अडथळ्याशिवाय आहे, आणि व्यापकपणे आणि स्पष्टवक्तेपणाने कार्य करतो. तो काय देतो हे बऱ्याच अंशी त्याच्या संगतीवर आणि त्याच्या दशांवर अवलंबून असते.
- 12व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: खर्च, परदेश, एकांत, झोप आणि मुक्ती. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- शनी तुमच्यासाठी 1ल्या आणि 2ऱ्या स्थानांचाही स्वामी आहे, ज्यामुळे तो तुमचे स्वतःचे व्यक्तिमत्त्व आणि धन यांसाठी जबाबदार ठरतो. त्यामुळे वर सांगितलेली त्याची स्थिती जितकी त्याच्याविषयी सांगते, तितकीच त्या क्षेत्रांविषयीही सांगते.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: मंगळ त्यावर दबाव टाकतो.

निकाल	शनी कार्यक्षम आहे (51/100). त्याच्या दशा चालू असताना तो फल देतो, अन्यथा तो साधारण राहतो.

राहू

रास	मकर
भाव	1
अंश	9.9383
नक्षत्र	उत्तराषाढा
पद	4
बल	सम
वक्री	हो
अस्तंगत	नाही
नियम	—
कारक	एक छाया ग्रह, इच्छेचा उत्तर चंद्रपात
सूचित करते	महत्त्वाकांक्षा, परदेशी गोष्टी, तंत्रज्ञान आणि ध्यास
सोबती	—

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
गुरु	7th	शुभ
केतू	7th	Malefic

शक्ती	63
बल लेबल	Workable

फलादेश

- राहू हा महत्त्वाकांक्षा, परदेशी गोष्टी, तंत्रज्ञान आणि ध्यास यांचा द्योतक आहे, आणि तो एक छाया ग्रह, इच्छेचा उत्तर चंद्रपात आहे. तुमच्या कुंडलीत तो मकर राशीत, 1ल्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो कोणत्याही विशेष साहाय्याशिवाय किंवा अडथळ्याशिवाय आहे, आणि संयमाने आणि व्यावहारिकपणे कार्य करतो. तो काय देतो हे बऱ्याच अंशी त्याच्या संगतीवर आणि त्याच्या दशांवर अवलंबून असते.
- 1ल्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: तुमचे स्वतःचे व्यक्तिमत्त्व — शरीर, वागणूक आणि तुमची पहिली छाप. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- राहू कोणत्याही राशीचा स्वामी नाही, त्यामुळे त्याचे स्वतःचे असे कोणतेही स्थान नाही ज्यासाठी तो उत्तरदायी असेल. तो ज्या स्थानात स्थित आहे त्या स्थानाचे आणि त्या राशीच्या स्वामी ग्रहाचे फल देतो — म्हणूनच छाया ग्रहाची (राहू/केतू) स्थिती तो कशाचा स्वामी आहे यावरून नव्हे, तर तो कुठे स्थित आहे यावरून वाचली जाते.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: गुरू त्याचे रक्षण करतो; केतू त्यावर दबाव टाकतो.

निकाल	राहू कार्यक्षम आहे (63/100). त्याच्या दशा चालू असताना तो फल देतो, अन्यथा तो साधारण राहतो.

केतू

रास	कर्क
भाव	7
अंश	9.9383
नक्षत्र	पुष्य
पद	2
बल	सम
वक्री	हो
अस्तंगत	नाही
नियम	—
कारक	एक छाया ग्रह, मुक्तीचा दक्षिण चंद्रपात
सूचित करते	वैराग्य, मोक्ष, संशोधन आणि अचानक हानी
सोबती	गुरु

दृष्टीने पाहिलेले

ग्रह	दृष्टी	स्वभाव
राहू	7th	Malefic

शक्ती	63
बल लेबल	Workable

फलादेश

- केतू हा वैराग्य, मोक्ष, संशोधन आणि अचानक हानी यांचा द्योतक आहे, आणि तो एक छाया ग्रह, मुक्तीचा दक्षिण चंद्रपात आहे. तुमच्या कुंडलीत तो कर्क राशीत, 7व्या स्थानात स्थित आहे.
- तेथे तो कोणत्याही विशेष साहाय्याशिवाय किंवा अडथळ्याशिवाय आहे, आणि संरक्षक वृत्तीने आणि भावुकतेने कार्य करतो. तो काय देतो हे बऱ्याच अंशी त्याच्या संगतीवर आणि त्याच्या दशांवर अवलंबून असते.
- 7व्या स्थान हे ते स्थान आहे जिथे हा ग्रह आपली ऊर्जा खर्च करतो, त्यामुळे त्याच्या अधीन असलेले विषय तुमच्यापर्यंत या माध्यमांतून पोहोचतात: विवाह, भागीदारी, ग्राहक आणि जनसामान्य. हेच ते व्यावहारिक माध्यम आहे ज्यावर लक्ष ठेवावे.
- केतू कोणत्याही राशीचा स्वामी नाही, त्यामुळे त्याचे स्वतःचे असे कोणतेही स्थान नाही ज्यासाठी तो उत्तरदायी असेल. तो ज्या स्थानात स्थित आहे त्या स्थानाचे आणि त्या राशीच्या स्वामी ग्रहाचे फल देतो — म्हणूनच छाया ग्रहाची (राहू/केतू) स्थिती तो कशाचा स्वामी आहे यावरून नव्हे, तर तो कुठे स्थित आहे यावरून वाचली जाते.
- तो 7व्या स्थान गुरू यांच्यासोबत वाटून घेतो, म्हणून दोघांचा एकत्र विचार केला जातो — येथे दोघांपैकी कोणताही एकटा आपले फल स्पष्टपणे देत नाही.
- त्यावर पडणाऱ्या दृष्टी: राहू त्यावर दबाव टाकतो.

निकाल	केतू कार्यक्षम आहे (63/100). त्याच्या दशा चालू असताना तो फल देतो, अन्यथा तो साधारण राहतो.

तुमचा ब्रँड येथे

yourbrand.example · hello@yourbrand.example · +91 00000 00000

या दस्तऐवजाबद्दल

हा अहवाल दर्शविलेल्या जन्म तपशिलांवरून काढलेले ज्योतिषीय विश्लेषण आहे. यात पारंपरिक आणि आधुनिक पद्धतींनी कुंडलीतून वाचलेल्या प्रवृत्तींचे वर्णन केले आहे; ही निश्चित घटनांची भविष्यवाणी नाही, तसेच हा वैद्यकीय, कायदेशीर, आर्थिक किंवा मानसिक सल्ला नाही.

स्वभाव: शास्त्रीय ग्रंथाधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न आणि रुद्राक्ष यांसंबंधीचे मजकूर या कुंडलीसाठी शास्त्रीय परंपरेतून उद्धृत केले आहेत. त्यातील आयुष्य, आजार किंवा उपचार यांविषयीची विधाने वैद्यकीय सल्ला नाहीत आणि आयुर्मान किंवा आरोग्याची भविष्यवाणीही नाहीत.

96Astro API द्वारे गणना केलेली · classical-kundli-report · जॉब sample